



Series Z1XYW/4

SET~1

प्रश्न-पत्र कोड  
Q.P. Code

31/4/1

रोल नं.

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।  
Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 23 हैं। #
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 39 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका में कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
- Please check that this question paper contains 23 printed pages.
- Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 39 questions.
- Please write down the Serial Number of the question in the answer-book before attempting it.
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

विज्ञान (सैद्धान्तिक)  
SCIENCE (Theory)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80

Maximum Marks : 80

**सामान्य निर्देश :**

**निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :**

- (i) इस प्रश्न-पत्र में 39 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र पांच खण्डों में विभाजित है - खण्ड क, ख, ग, घ तथा ङ।
- (iii) खण्ड क में प्रश्न संख्या 1 से 20 तक बहुविकल्पीय प्रकार के एक-एक अंक के प्रश्न हैं।
- (iv) खण्ड ख में प्रश्न संख्या 21 से 26 तक अति लघु-उत्तरीय (VSA) प्रकार के दो-दो अंकों के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर 30 से 50 शब्दों में दिए जाने चाहिए।
- (v) खण्ड ग में प्रश्न संख्या 27 से 33 तक लघु-उत्तरीय (SA) प्रकार के तीन-तीन अंकों के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर 50 से 80 शब्दों में दिए जाने चाहिए।
- (vi) खण्ड घ में प्रश्न संख्या 34 से 36 तक दीर्घ-उत्तरीय (LA) प्रकार के पांच-पांच अंकों के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर 80 से 120 शब्दों में दिए जाने चाहिए।
- (vii) खण्ड ङ में प्रश्न संख्या 37 से 39 तक स्रोत आधारित / प्रकरण आधारित इकाइयों के मूल्यांकन के चार-चार अंकों के प्रश्न (उप-प्रश्नों सहित) हैं।
- (viii) प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, कुछ खण्डों में आन्तरिक विकल्प दिए गए हैं।

**खण्ड - क**  
**(बहुविकल्पीय प्रश्न)**

1. जब सोडियम बाइकार्बोनेट हाइड्रोक्लोरिक अम्ल से अभिक्रिया करता है, तो : 1
  - (a) हाइड्रोजन गैस निकलती है जो जलती तीली से पॉप ध्वनि देती है।
  - (b) हाइड्रोजन गैस निकलती है जो चूने के पानी को दूधिया कर देती है।
  - (c) कार्बन डाइऑक्साइड गैस निकलती है जो चूने के पानी को दूधिया कर देती है।
  - (d) कार्बन डाइऑक्साइड गैस निकलती है जो जलती तीली को पॉप ध्वनि के साथ बुझा देती है।
2. जब पोटैशियम आयोडाइड और लेड नाइट्रेट के जलीय विलयन मिलते हैं तो एक अविलेय पदार्थ अलग हो जाता है। इसमें होने वाली अभिक्रिया का रासायनिक समीकरण है : 1
  - (a)  $KI + PbNO_3 \longrightarrow PbI + KNO_3$
  - (b)  $2KI + Pb(NO_3)_2 \longrightarrow PbI_2 + 2KNO_3$
  - (c)  $KI + Pb(NO_3)_2 \longrightarrow PbI + KNO_3$
  - (d)  $KI + PbNO_3 \longrightarrow PbI_2 + KNO_3$
3. किसी धातु 'X' का रिबन ऑक्सीजन में चकाचौंध करने वाले श्वेत प्रकाश की ज्वाला से जलता है जिसमें कोई श्वेत राख 'Y' बनती है। इस अभिक्रिया में X, Y और होने वाली अभिक्रिया के प्रकार का सही विवरण इस प्रकार है : 1
  - (a)  $X = Ca ; Y = CaO ;$  अभिक्रिया का प्रकार = वियोजन
  - (b)  $X = Mg ; Y = MgO ;$  अभिक्रिया का प्रकार = संयोजन
  - (c)  $X = Al ; Y = Al_2O_3 ;$  अभिक्रिया का प्रकार = ऊष्मीय वियोजन
  - (d)  $X = Zn ; Y = ZnO ;$  अभिक्रिया का प्रकार = ऊष्माशोषी
4. टमाटर में उपस्थित अम्ल है : 1
  - (a) मेथानॉइक अम्ल
  - (b) ऐसीटिक अम्ल
  - (c) लैक्टिक अम्ल
  - (d) ऑक्सैलिक अम्ल



**GENERAL INSTRUCTIONS :**

**Read the following instructions very carefully and follow them :**

- (i) This question paper consists of **39** questions. **All** questions are compulsory.
- (ii) Question paper is divided into **FIVE** sections – **Section A, B, C, D and E.**
- (iii) In **section A** – question number 1 to 20 are multiple choice questions (MCQs) carrying **1** mark each.
- (iv) In **section B** – question number 21 to 26 are very short answer (VSA) type questions carrying **2** marks each. Answer to these questions should be in the range of 30 to 50 words.
- (v) In **section C** – question number 27 to 33 are short answer (SA) type questions carrying **3** marks each. Answer to these questions should be in the range of 50 to 80 words.
- (vi) In **section D** – question number 34 to 36 are long answer (LA) type questions carrying **5** marks each. Answer to these questions should be in the range of 80 to 120 words.
- (vii) In **section E** – question number 37 to 39 are of **3 source based/case based units of assessment** carrying **4** marks each with sub-parts.
- (viii) There is no overall choice. However, an internal choice has been provided in some sections.

**SECTION – A**  
**(Multiple Choice Questions)**

1. When Sodium bicarbonate reacts with dilute hydrochloric acid, the gas evolved is : **1**
- (a) Hydrogen; it gives pop sound with burning match stick.
  - (b) Hydrogen; it turns lime water milky.
  - (c) Carbon dioxide; it turns lime water milky.
  - (d) Carbon dioxide; it blows off a burning match stick with a pop sound.
2. When aqueous solutions of potassium iodide and lead nitrate are mixed, an insoluble substance separates out. The chemical equation for the reaction involved is : **1**
- (a)  $KI + PbNO_3 \longrightarrow PbI + KNO_3$
  - (b)  $2KI + Pb(NO_3)_2 \longrightarrow PbI_2 + 2KNO_3$
  - (c)  $KI + Pb(NO_3)_2 \longrightarrow PbI + KNO_3$
  - (d)  $KI + PbNO_3 \longrightarrow PbI_2 + KNO_3$
3. A metal ribbon 'X' burns in oxygen with a dazzling white flame forming a white ash 'Y'. The correct description of X, Y and the type of reaction is : **1**
- (a) X = Ca ; Y = CaO ; Type of reaction = Decomposition
  - (b) X = Mg ; Y = MgO ; Type of reaction = Combination
  - (c) X = Al ; Y = Al<sub>2</sub>O<sub>3</sub> ; Type of reaction = Thermal decomposition
  - (d) X = Zn ; Y = ZnO ; Type of reaction = Endothermic
4. Acid present in tomato is : **1**
- (a) Methanoic acid
  - (b) Acetic acid
  - (c) Lactic acid
  - (d) Oxalic acid



5. सोडियम हाइड्रॉक्साइड क्षार (ऐल्कली) है जबकि फेरिक हाइड्रॉक्साइड क्षार (ऐल्कली) नहीं है, क्योंकि :

1

- सोडियम हाइड्रॉक्साइड प्रबल क्षारक है जबकि फेरिक हाइड्रॉक्साइड दुर्बल क्षारक है।
- सोडियम हाइड्रॉक्साइड ऐसा क्षारक है जो जल में विलेय है जबकि फेरिक हाइड्रॉक्साइड भी क्षारक है परन्तु यह जल में विलेय नहीं है।
- सोडियम हाइड्रॉक्साइड प्रबल क्षारक है जबकि फेरिक हाइड्रॉक्साइड प्रबल अम्ल है।
- सोडियम हाइड्रॉक्साइड और फेरिक हाइड्रॉक्साइड दोनों ही प्रबल क्षारक हैं परन्तु सोडियम हाइड्रॉक्साइड की जल में विलेयता फेरिक हाइड्रॉक्साइड की जल में विलेयता की तुलना में अधिक है।

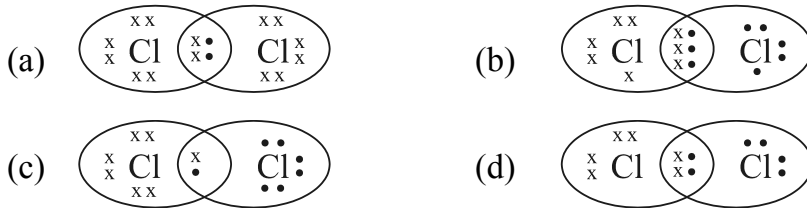
6. जल की कठोरता को दूर करने के लिए उपयोग किए जाने वाले लवण का नाम है :

1

- सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट ( $\text{NaHCO}_3$ )
- सोडियम क्लोराइड ( $\text{NaCl}$ )
- सोडियम कार्बोनेट डेकाहाइड्रेट ( $\text{Na}_2\text{CO}_3 \cdot 10\text{H}_2\text{O}$ )
- कैल्सियम सल्फेट हेमीहाइड्रेट ( $\text{CaSO}_4 \cdot \frac{1}{2}\text{H}_2\text{O}$ )

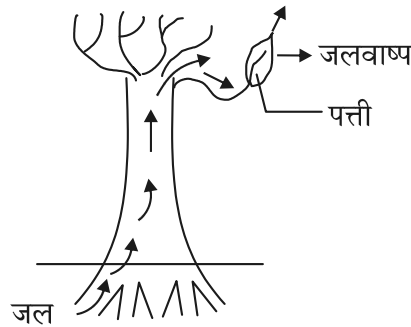
7. क्लोरीन के अणु की इलेक्ट्रॉन-बिन्दु संरचना है :

1



8. नीचे दिए गए आरेख का प्रेक्षण कीजिए और इसमें हो रही प्रक्रिया और इसके महत्त्व की पहचान नीचे दिए गए विकल्पों में से कीजिए :

1



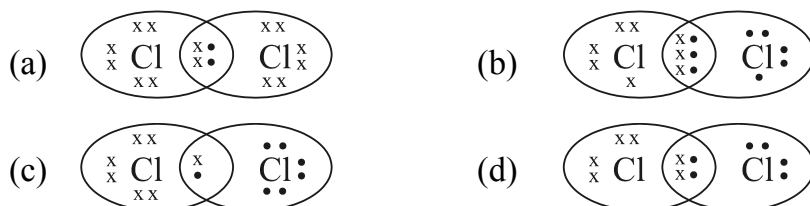
- वाष्पन : पत्तियों की कोशिकाओं में जल को बनाए रखता है।
- वाष्पोत्सर्जन : चूषण बल उत्पन्न करता है जो पादप के भीतर जल को खींचता है।
- उत्सर्जन : पादप से अपशिष्ट जल को उत्सर्जित करने में सहायता करता है।
- स्थानान्तरण : एक कोशिका से दूसरी कोशिका को पदार्थों के परिवहन में सहायता करता है।



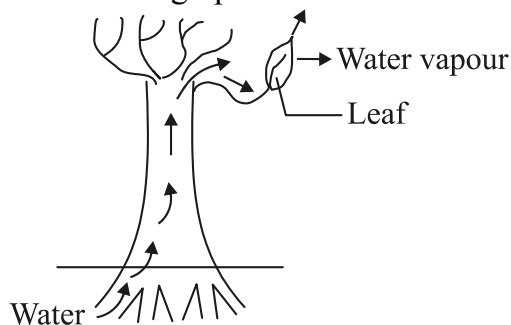
5. Sodium hydroxide is termed an alkali while Ferric hydroxide is not because : 1
- Sodium hydroxide is a strong base, while Ferric hydroxide is a weak base.
  - Sodium hydroxide is a base which is soluble in water while Ferric hydroxide is also a base but it is not soluble in water.
  - Sodium hydroxide is a strong base while Ferric hydroxide is a strong acid.
  - Sodium hydroxide and Ferric hydroxide both are strong base but the solubility of Sodium hydroxide in water is comparatively higher than that of Ferric hydroxide.

6. The name of the salt used to remove permanent hardness of water is : 1
- Sodium hydrogen carbonate ( $\text{NaHCO}_3$ )
  - Sodium chloride ( $\text{NaCl}$ )
  - Sodium carbonate decahydrate ( $\text{Na}_2\text{CO}_3 \cdot 10\text{H}_2\text{O}$ )
  - Calcium sulphate hemihydrate ( $\text{CaSO}_4 \cdot \frac{1}{2}\text{H}_2\text{O}$ )

7. The electron dot structure of chlorine molecule is : 1



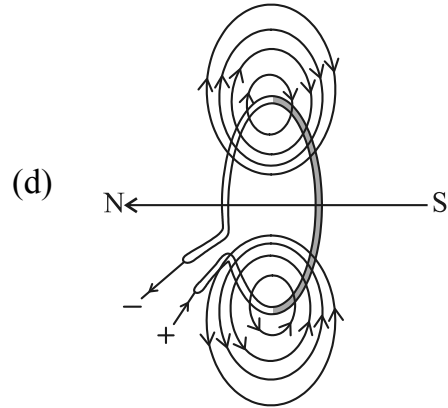
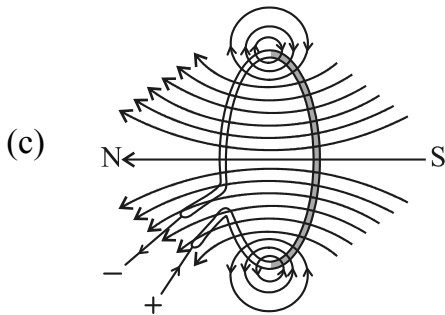
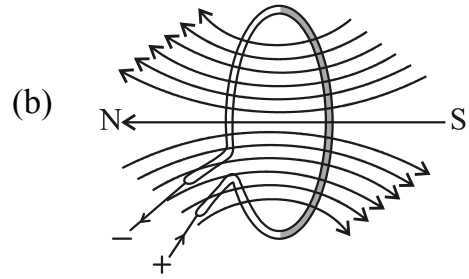
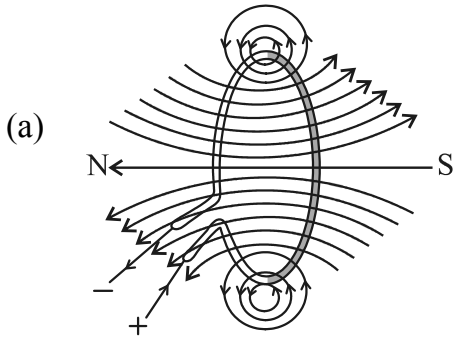
8. Observe the following diagram and identify the process and its significance from the following options : 1



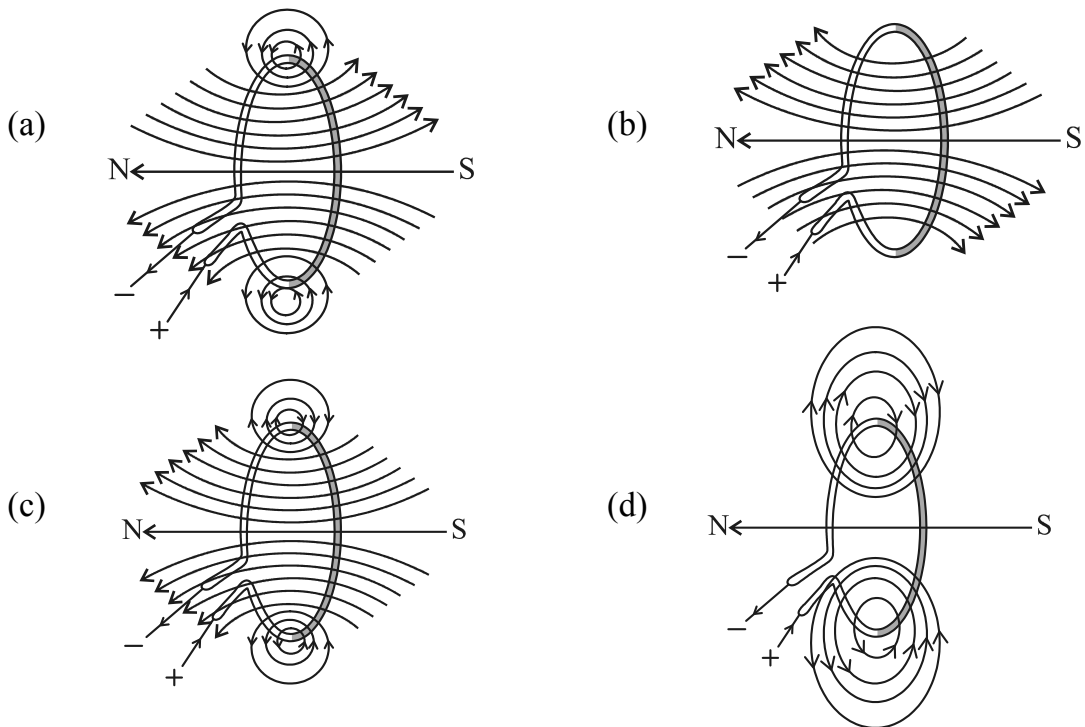
- Evaporation : maintains water contents in leaf cells.
- Transpiration : creates a suction force which pulls water inside the plant.
- Excretion : helps in excreting out waste water from the plant.
- Translocation : helps in transporting materials from one cell to another.



9. रंध्रों के खुलने और बन्द होने का कारण है : 1  
 (a) कोशिकाओं के भीतर गैसों का उच्च दाब  
 (b) द्वार कोशिकाओं में जल की बाहर और भीतर गति  
 (c) द्वार कोशिकाओं में प्रकाश का उद्दीपन  
 (d) द्वार कोशिकाओं में  $\text{CO}_2$  का भीतर और बाहर विसरण
10. श्वेत पुष्पों के मटर के पौधों (vv) और बैंगनी पुष्पों के मटर के पौधों (VV) के बीच संकरण के परिणामस्वरूप  $F_2$  संतति प्राप्त हुई, जिसमें बैंगनी (VV) और श्वेत (vv) पुष्पों वाले पौधों का अनुपात होगा : 1  
 (a) 1 : 1 (b) 2 : 1 (c) 3 : 1 (d) 1 : 3
11. पादपों में साइटोकाइनिन की भूमिका होती है : 1  
 (a) कोशिका-विभाजन को प्रेरित करना। (b) पत्तियों का मुरझाना।  
 (c) रंध्रों को खोलने के लिए प्रेरित करना। (d) तने की वृद्धि में सहायता करना।
12. लैंगिक जनन करने वाले स्पीशीज़ के जनकों और संततियों में गुणसूत्रों की संख्या नियत होने का कारण है : 1  
 (a) युग्मज बनने के पश्चात् गुणसूत्रों का दो गुना होना।  
 (b) युग्मज बनने के पश्चात् गुणसूत्रों का आधा होना।  
 (c) युग्मक बनने से पूर्व गुणसूत्रों का दो गुना होना।  
 (d) युग्मक बनते समय गुणसूत्रों का आधा होना।
13. 12W और 6W के दो LED बल्ब श्रेणी में संयोजित हैं। यदि 12W के बल्ब से 0.06A धारा प्रवाहित हो रही है, तो 6W के बल्ब से प्रवाहित धारा होगी : 1  
 (a) 0.04A (b) 0.06A (c) 0.08A (d) 0.12A
14. किसी धारावाही वृत्ताकार पाश द्वारा उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र की चुम्बकीय क्षेत्र रेखाओं का सही पैटर्न है : 1



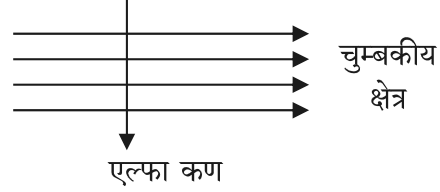
9. Opening and closing of stomata is due to : 1  
 (a) High pressure of gases inside the cells.  
 (b) Movement of water in and out of the guard cells.  
 (c) Stimulus of light in the guard cells.  
 (d) Diffusion of CO<sub>2</sub> in and out of the guard cells.
10. A cross between pea plant with white flowers (vv) and pea plant with violet flowers (VV) resulted in F<sub>2</sub> progeny in which ratio of violet (VV) and white (vv) flowers will be : 1  
 (a) 1 : 1                      (b) 2 : 1                      (c) 3 : 1                      (d) 1 : 3
11. In plants the role of cytokinin is : 1  
 (a) Promote cell division.                      (b) Wilting of leaves.  
 (c) Promote the opening of stomatal pore.    (d) Help in the growth of stem.
12. The number of chromosomes in parents and offsprings of a particular species undergoing sexual reproduction remain constant due to : 1  
 (a) doubling of chromosomes after zygote formation.  
 (b) halving of chromosomes after zygote formation.  
 (c) doubling of chromosomes before gamete formation.  
 (d) halving of chromosomes at the time of gamete formation.
13. Two LED bulbs of 12W and 6W are connected in series. If the current through 12W bulb is 0.06A the current through 6W bulb will be : 1  
 (a) 0.04A                      (b) 0.06A                      (c) 0.08A                      (d) 0.12A
14. The correct pattern of magnetic field lines of the field produced by a current carrying circular loop is : 1



15. किसी प्रतिरोधक के मान को घटाकर उसके प्रारम्भिक मान का आधा कर दिया गया है। यदि विद्युत परिपथ के अन्य प्राचलों में कोई परिवर्तन नहीं होता है, तो प्रतिरोधक में उत्पन्न ऊष्मा होगी : 1
- (a) चार गुनी (b) दो गुनी  
(c) आधी (d) चौथाई

16. दर्शाए अनुसार कोई एल्फा कण किसी एकसमान चुम्बकीय क्षेत्र में प्रवेश करता है। इस एल्फा कण पर आरोपित बल की दिशा होगी : 1

- (a) दाईं ओर  
(b) बाईं ओर  
(c) कागज़ में भीतर की ओर जाते हुए  
(d) कागज़ से बाहर की ओर आते हुए



प्रश्न संख्या 17 से 20 तक अभिकथन और कारण आधारित प्रश्न हैं।

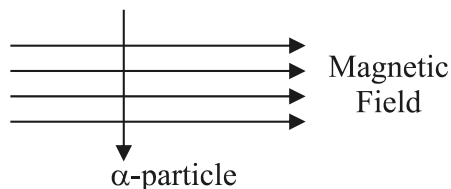
इनमें दो कथन, अभिकथन (A) और कारण (R) दिए गए हैं। नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प का चयन करते हुए इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (a) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।  
(b) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।  
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।  
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
17. **अभिकथन (A)** : बिना बुझे चूने की पानी से अभिक्रिया ऊष्माक्षेपी अभिक्रिया है।  
**कारण (R)** : बिना बुझा चूना पानी से बहुत तीव्र अभिक्रिया करके अत्यधिक मात्रा में ऊष्मा उत्पन्न करता है। 1
18. **अभिकथन (A)** : मानवों में यदि काले नेत्रों के लिए जीन (B) उत्तरदायी है और भूरे नेत्रों के लिए जीन (b) उत्तरदायी है, तो जिस संतति का जीन संयोजन Bb, bb अथवा BB है, तो उसके नेत्रों का वर्ण (रंग) केवल काला ही होगा।  
**कारण (R)** : नेत्रों का काला वर्ण प्रभावी लक्षण है। 1
19. **अभिकथन (A)** : क्षुद्रांत्र के आन्तरिक आस्तर पर अनेक अंगुली जैसे प्रवर्ध होते हैं, जिन्हें दीर्घरोम कहते हैं और इनमें रुधिर की बहुतायत होती है।  
**कारण (R)** : इन दीर्घरोमों का पृष्ठीय क्षेत्रफल अधिक होता है, जो भोजन के पूर्ण पाचन में क्षुद्रांत्र की सहायता करता है। 1
20. **अभिकथन (A)** : जब किसी धारावाही सीधे चालक को चुम्बकीय क्षेत्र में उसकी दिशा के लम्बवत् रखा जाता है, तो वह चालक बल का अनुभव करता है।  
**कारण (R)** : किसी धारावाही चालक पर नेट आवेश शून्य होता है। 1





15. The resistance of a resistor is reduced to half of its initial value. If other parameters of the electrical circuit remain unaltered, the amount of heat produced in the resistor will become : 1
- (a) four times (b) two times  
 (c) half (d) one fourth
16. An alpha particle enters a uniform magnetic field as shown. The direction of force experienced by the alpha particle is : 1
- (a) towards right  
 (b) towards left  
 (c) into the page  
 (d) out of the page



**Q. No. 17 to 20 are Assertion – Reasoning based questions.**

**These consist of two statements – Assertion (A) and Reason (R). Answer these questions selecting the appropriate option given below.**

- (a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).  
 (b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).  
 (c) (A) is true but (R) is false.  
 (d) (A) is false but (R) is true.
17. **Assertion (A) :** Reaction of Quicklime with water is an exothermic reaction. 1  
**Reason (R) :** Quicklime reacts vigorously with water releasing a large amount of heat.
18. **Assertion (A) :** In humans, if gene (B) is responsible for black eyes and gene (b) is responsible for brown eyes, then the colour of eyes of the progeny having gene combination Bb, bb or BB will be black only. 1  
**Reason (R) :** The black colour of the eyes is a dominant trait.
19. **Assertion (A) :** The inner walls of the small intestine have finger like projections called villi which are rich in blood. 1  
**Reason (R) :** These villi have a large surface area to help the small intestine in completing the digestion of food.
20. **Assertion (A) :** A current carrying straight conductor experiences a force when placed perpendicular to the direction of magnetic field. 1  
**Reason (R) :** The net charge on a current carrying conductor is always zero.



खण्ड - ख

(अति लघु-उत्तरीय प्रश्न)

21. (A) किसी छात्र ने एक शंक्वाकार फ्लास्क में कॉपर ऑक्साइड की कुछ मात्रा लेकर उसमें मिश्रण को लगातार विलोडित करते हुए तनु हाइड्रोक्लोरिक अम्ल मिलाया। उसने विलयन के रंग में परिवर्तन का प्रेक्षण किया। 2
- (i) बनने वाले यौगिक का नाम और उसका रंग लिखिए।
- (ii) होने वाली अभिक्रिया का संतुलित रासायनिक समीकरण दीजिए।

अथवा

- (B) कॉस्टिक सोडा के औद्योगिक निर्माण की प्रक्रिया में किसी यौगिक 'X' के जलीय विलयन का विद्युत अपघटन किया जाता है। इस प्रक्रिया में दो गैसों 'Y' और 'Z' निकलती हैं। 'Y' कैथोड पर निकलती है और 'Z' जो कि एनोड पर निकलती है, शुष्क बुझे हुए चूने से अभिक्रिया करके कोई यौगिक 'B' बनाती है। X, Y, Z और B के नाम लिखिए। 2
22. (A) मानव मस्तिष्क के उस भाग का नाम लिखिए जो नीचे दिए गए कार्यों के लिए उत्तरदायी है : 2
- (i) शारीरिक संस्थिति और संतुलन बनाए रखना
- (ii) हृदय का धड़कना
- (iii) सोचना
- (iv) रक्तचाप

अथवा

- (B) किसी पादप में ऑक्सिजन का संश्लेषण कहाँ होता है ? पादप का कौनसा भाग निम्नलिखित को दर्शाता है : 2
- (i) धनात्मक प्रकाशानुवर्तन
- (ii) ऋणात्मक गुरुत्वानुवर्तन
- (iii) धनात्मक जलानुवर्तन
23. मानवों की उत्सर्जन क्रिया से संबंधित नीचे दिए गए प्रत्येक भाग का विशिष्ट कार्य लिखिए : 2
- (i) वृक्क धमनी
- (ii) मूत्रमार्ग
- (iii) ग्लॉमेरुलस (केशिका-गुच्छ)
- (iv) वृक्काणु का नलिकाकार भाग
24. दो हरे पौधों को ऑक्सीजन रहित पात्रों में बन्द करके एक को सूर्य के प्रकाश में तथा दूसरे को अंधेरे में रखा गया है। प्रेक्षण करने पर यह पाया गया कि अंधेरे में रखा गया पौधा अधिक समय तक जीवित नहीं रह सका। इस प्रेक्षण के लिए कारण लिखिए। 2



**SECTION – B**  
**(Very Short Answer Questions)**

21. (A) A student took a small amount of copper oxide in a conical flask and added dilute hydrochloric acid to it with constant stirring. He observed a change in colour of the solution. 2
- (i) Write the name of the compound formed and its colour.
- (ii) Write a balanced chemical equation for the reaction involved.

**OR**

- (B) The industrial process used for the manufacture of caustic soda involves electrolysis of an aqueous solution of compound 'X'. In this process, two gases 'Y' and 'Z' are liberated. 'Y' is liberated at cathode and 'Z', which is liberated at anode, on treatment with dry slaked lime forms a compound 'B'. Name X, Y, Z and B. 2
22. (A) Name the part of brain which is responsible for the following actions : 2
- (i) Maintaining posture and balance
- (ii) Beating of heart
- (iii) Thinking
- (iv) Blood pressure

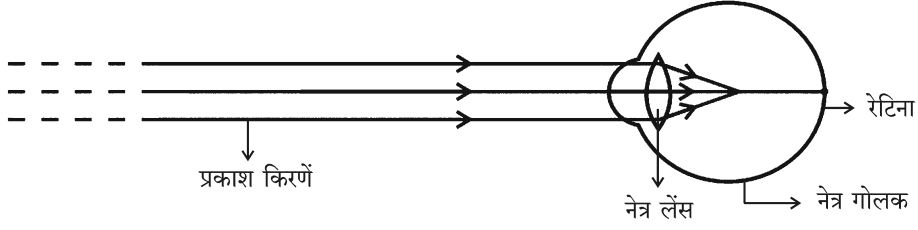
**OR**

- (B) Where are auxins synthesized in a plant ? Which organ of the plant shows : 2
- (i) Positive phototropism
- (ii) Negative geotropism
- (iii) Positive hydrotropism
23. Write one specific function each of the following organs in relation with excretion in human beings : 2
- (i) Renal Artery
- (ii) Urethra
- (iii) Glomerulus
- (iv) Tubular part of nephron
24. Two green plants are kept separately in oxygen free containers, one in the dark and other in sunlight. It was observed that plant kept in dark could not survive longer. Give reason for this observation. 2



25. (A) नीचे दिए गए आरेख का प्रेक्षण करके निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2



- नेत्र के दृष्टिदोष को पहचानिए।
- इस दोष के दो कारणों की सूची बनाइए।
- इस दृष्टिदोष के संशोधन के लिए उपयोग किए जाने वाले लेंस के प्रकार का नाम लिखिए।

अथवा

(B) पृथ्वी से प्रेक्षण करने पर स्वच्छ आकाश का रंग नीला दृष्टिगोचर होता है परन्तु अंतरिक्ष में यह काला दिखाई देता है। क्यों ?

2

26. कई पीड़कनाशियों के प्रयोग करने से नदियों और तालाबों में पीड़कनाशियों के आधिक्य का संचयन होना अत्यधिक चिंता का विषय है। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

2

खण्ड - ग

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

27. (i) जल का विद्युत अपघटन करते समय विद्युत धारा प्रवाहित करने से पूर्व जल में किसी अम्ल की कुछ बूंदें मिलायी जाती हैं। क्यों ? कैथोड और ऐनोड पर मुक्त होने वाली गैसों के नाम लिखिए। कैथोड पर संचित गैस के आयतन और ऐनोड पर संचित गैस के आयतन के बीच संबंध लिखिए।

3

(ii) उस समय आप क्या प्रेक्षण करते हैं जब सिल्वर क्लोराइड को सूर्य के प्रकाश में उदभासित किया जाता है ? होने वाली अभिक्रिया के प्रकार का नाम लिखिए।

28. (i) किसी प्रबल सांद्र अम्ल को तनुकृत करने का कोई निरापद ढंग सुझाइए।

3

(ii) सोडियम हाइड्रॉक्साइड में सल्फ्यूरिक अम्ल मिलाने पर बनने वाले लवण का नाम और उसका pH लिखिए।

(iii) शुष्क HCl गैस शुष्क नीले लिटमस पत्र के रंग को परिवर्तित नहीं करती है। क्यों ?

29. (A) (i) पैरामीशियम अपना भोजन किस प्रकार प्राप्त करता है ?

3

(ii) हमारे पाचन तंत्र में निम्नलिखित में से प्रत्येक की भूमिका लिखिए :

(a) हाइड्रोक्लोरिक अम्ल

(b) ट्रिप्सिन

(c) आमाशय की पेशीय भित्तियाँ

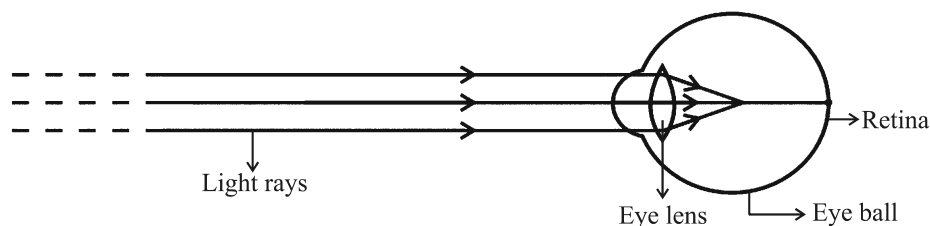
(d) लाला रस (लार)

अथवा



25. (A) Observe the following diagram and answer the questions following it :

2



- (i) Identify the defect of vision shown.
- (ii) List its two causes.
- (iii) Name the type of lens used for the correction of this defect.

**OR**

- (B) The colour of clear sky from the earth appears blue but from the space it appears black. Why ?
26. Use of several pesticides which results in excessive accumulation of pesticides in rivers or ponds, is a matter of deep concern. Justify this statement.

2

2

**SECTION – C**  
**(Short Answer Questions)**

27. (i) While electrolysis of water before passing the current some drops of an acid are added. Why ? Name the gases liberated at cathode and anode. Write the relationship between the volume of gas collected at anode and the volume of gas collected at cathode. (ii) What is observed when silver chloride is exposed to sunlight ? Give the type of reaction involved.
28. (i) Suggest a safe procedure of diluting a strong concentrated acid. (ii) Name the salt formed when sulphuric acid is added to sodium hydroxide and write its pH. (iii) Dry HCl gas does not change the colour of dry blue litmus paper. Why ?
29. (A) (i) How does Paramecium obtain its food ? (ii) List the role of each of the following in our digestive system :  
(a) Hydrochloric acid (b) Trypsin  
(c) Muscular walls of stomach (d) Salivary amylase

3

3

3

**OR**



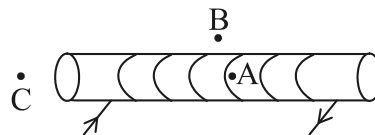
- (B) (i) दोहरा परिसंचरण किसे कहते हैं ? 3
- (ii) हृदय के दाहिने भाग और बाएं भाग का पृथक्कन क्यों उपयोगी है ? यह पक्षियों और स्तनपायियों की किस प्रकार सहायता करता है ?
30. (A) किसी अपसारी दर्पण के संदर्भ में नीचे दिए गए पदों की परिभाषा लिखिए : 3
- (i) मुख्य फोकस
- (ii) फोकस दूरी
- अपने उत्तर के दृष्टान्त के लिए नामांकित किरण आरेख खींचिए।

अथवा

- (B) 10 cm ऊँचा कोई बिम्ब 15 cm फोकस दूरी के किसी अभिसारी लेंस से 25 cm दूरी पर स्थित है। प्रतिबिम्ब-दूरी और प्रतिबिम्ब की ऊँचाई परिकल्पित कीजिए। 3
31. किसी लेंस की क्षमता  $+4D$  है। इस लेंस की फोकस दूरी ज्ञात कीजिए। कोई बिम्ब इस लेंस के प्रकाशिक बिन्दु से 50 cm की दूरी पर स्थित है। लेंस द्वारा बनने वाले प्रतिबिम्ब की प्रकृति और आवर्धन का उल्लेख कीजिए तथा अपने उत्तर की पुष्टि के लिए किरण आरेख भी खींचिए। 3
32. (A) (i) प्रत्यावर्ती धारा (A.C.) को दिष्ट धारा (D.C.) की तुलना में विद्युत शक्ति के सुदूर स्थानों पर प्रेषण के लिए अधिक लाभकारी क्यों माना जाता है ? 3
- (ii) घरेलू आपूर्ति के लिए उपयोग होने वाली इस प्रकार की धारा शुष्क सेलों अथवा बैटरियों से प्राप्त धारा से किस प्रकार भिन्न होती है ?
- (iii) विद्युत फ्यूज किस प्रकार विद्युत परिपथ और विद्युत साधित्रों को लघुपथन अथवा अतिभारण के कारण होने वाली संभावित क्षति से बचाता है ?

अथवा

- (B) दर्शायी गयी धारावाही परिनालिका के चुम्बकीय क्षेत्र को आरेखित कीजिए और कारण सहित व्याख्या कीजिए कि तीन बिन्दुओं A, B और C में किस बिन्दु पर क्षेत्र की तीव्रता अधिकतम और किस पर निम्नतम है ? 3



- (B) (i) What is double circulation ? 3
- (ii) Why is the separation of the right side and the left side of the heart useful ? How does it help birds and mammals ?

30. (A) Define the following terms in the context of a diverging mirror : 3
- (i) Principal focus
- (ii) Focal length

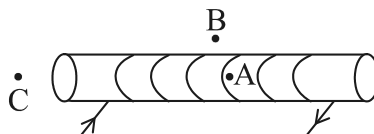
Draw a labelled ray diagram to illustrate your answer.

**OR**

- (B) An object of height 10 cm is placed 25 cm away from the optical centre of a converging lens of focal length 15 cm. Calculate the image-distance and height of the image formed. 3
31. The power of a lens is +4D. Find the focal length of this lens. An object is placed at a distance of 50 cm from the optical centre of this lens. State the nature and magnification of the image formed by the lens and also draw a ray diagram to justify your answer. 3
32. (A) (i) Why is an alternating current (A.C.) considered to be advantageous over direct current (D.C.) for the long distance transmission of electric power ? 3
- (ii) How is the type of current used in household supply different from the one given by a battery of dry cells ?
- (iii) How does an electric fuse prevent the electric circuit and the appliances from a possible damage due to short circuiting or overloading.

**OR**

- (B) For the current carrying solenoid as shown, draw magnetic field lines and give reason to explain that out of the three points A, B and C, at which point the field strength is maximum and at which point it is minimum ? 3



33. जैव निम्नीकरणीय और अजैव निम्नीकरणीय अपशिष्टों के बीच एक अन्तर लिखिए। इनमें से प्रत्येक प्रकार के अपशिष्टों के संचित होने पर पर्यावरण पर होने वाले दो-दो अधिप्रभावों की सूची बनाइए।

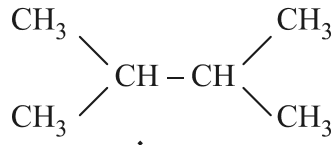
3

**खण्ड - घ**  
**(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)**

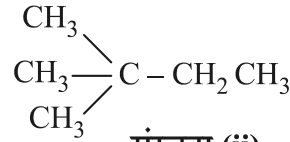
34. (A) (i) नीचे दिए गए यौगिकों की संरचना आरेखित कीजिए :

5

- (a) ब्यूटेनॉइक अम्ल (b) क्लोरोपेन्टेन  
(ii) नीचे दी गयी दो संरचनाएं (i) और (ii) एक-दूसरे से किस प्रकार संबंधित हैं ? अपने उत्तर की पुष्टि के लिए कारण दीजिए।



संरचना (i)



संरचना (ii)

उपरोक्त प्रकरण के लिए एक अन्य संभावित संरचना खींचिए।

- (iii) संतृप्त और असंतृप्त कार्बन यौगिकों के बीच इनके सामान्य सूत्रों के आधार पर विभेदन कीजिए।

**अथवा**

- (B) (i) क्या होता है जब सोडियम के छोटे टुकड़े को एथनॉल में डाला जाता है ? अभिक्रिया का समीकरण लिखिए।  
(ii) ग्लैशल ऐसीटिक अम्ल को यह नाम क्यों दिया गया है ?  
(iii) क्या होता है जब एथनॉल को सांद्र  $\text{H}_2\text{SO}_4$  की उपस्थिति में 443 K पर गर्म किया जाता है ? इसमें सांद्र  $\text{H}_2\text{SO}_4$  की भूमिका का उल्लेख कीजिए।  
(iv) साबुनीकरण दर्शाने के लिए समीकरण लिखिए।

5

35. (i) हाइड्रा में प्रेक्षण की जाने वाली अलैंगिक जनन की दो विधाओं के नाम लिखिए और उनकी व्याख्या कीजिए।  
(ii) कायिक प्रवर्धन किसे कहते हैं ? इस तकनीक को उपयोग किए जाने के दो लाभों की सूची बनाइए।

5

36. (i) किसी चालक के सिरों के बीच विभवान्तर और उससे प्रवाहित धारा परस्पर किस प्रकार संबंधित हैं ?

5

इस संबंध को सत्यापित करने के लिए विद्युत परिपथ आरेख खींचिए।

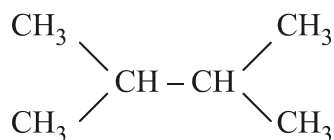




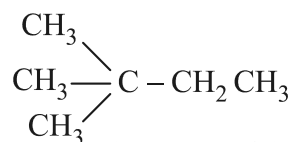
33. Write one difference between biodegradable and non-biodegradable wastes. List two impacts of each type of the accumulated waste on environment if not disposed off properly. 3

**SECTION – D**  
**(Long Answer Questions)**

34. (A) (i) Draw the structure of the following compounds : 5  
(a) Butanoic acid (b) Chloropentane  
(ii) How are structure (i) and structure (ii) given below related to one another ? Give reason to justify your answer.



**Structure (i)**



**Structure (ii)**

Draw one more possible structure for above case.

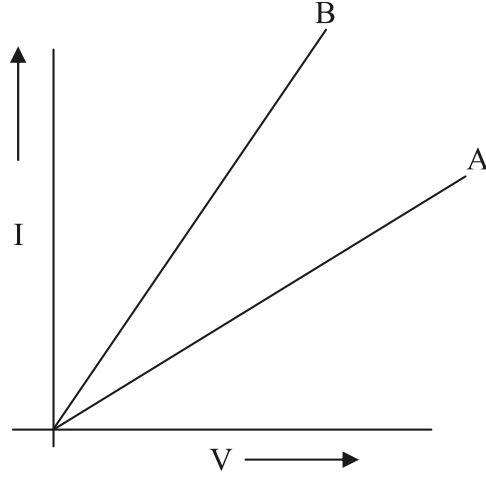
- (iii) Differentiate between saturated and unsaturated carbon compounds on the basis of their general formula.

**OR**

- (B) (i) What happens when a small piece of sodium is dropped in ethanol ? Write the equation for this reaction. 5  
(ii) Why is glacial acetic acid called so ?  
(iii) What happens when ethanol is heated at 443 K in the presence of conc.  $\text{H}_2\text{SO}_4$  ? Write the role of conc.  $\text{H}_2\text{SO}_4$  in this case.  
(iv) Write an equation showing saponification.
35. (i) Name and explain the two modes of asexual reproduction observed in hydra. 5  
(ii) What is vegetative propagation ? List two advantages of using this technique.
36. (i) How is electric current related to the potential difference across the terminals of a conductor ? 5  
Draw a labelled circuit diagram to verify this relationship.



- (ii) अमीटर का प्रतिरोध निम्न क्यों होना चाहिए ?
- (iii) दो प्रतिरोधकों के श्रेणी और पार्श्व संयोजनों के लिए दो V - I ग्राफ A और B आरेख में दर्शाए गए हैं। कारण सहित उल्लेख कीजिए कि इनमें से कौनसा ग्राफ प्रतिरोधकों के (a) श्रेणी, (b) पार्श्व संयोजन को दर्शाता है।



खण्ड - ड

(स्रोत आधारित/प्रकरण आधारित प्रश्न)

37. कुछ आयनी यौगिकों के गलनांक और क्वथनांक नीचे दिए गए हैं :

4

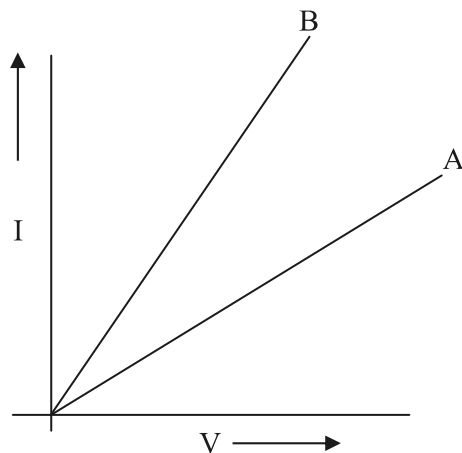
यौगिक	गलनांक (K)	क्वथनांक (K)
NaCl	1074	1686
LiCl	887	1600
CaCl <sub>2</sub>	1045	1900
CaO	2850	3120
MgCl <sub>2</sub>	981	1685

इन यौगिकों को आयनिक यौगिक कहने का कारण यह है कि ये धातु से अधातु में इलेक्ट्रॉनों के स्थानान्तरण द्वारा बनते हैं। इस प्रकार के यौगिकों में इलेक्ट्रॉनों के स्थानान्तरण को, इन यौगिकों के बनने में भाग लेने वाले तत्त्वों के इलेक्ट्रॉन-विन्यास नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक तत्त्व की अपनी निकटतम उत्कृष्ट गैस के पूर्ण रूप से भरे संयोजकता कोश अथवा स्थायी अष्टक को प्राप्त करने की प्रवृत्ति होती है।

- (i) मैग्नीशियम क्लोराइड के बनने में होने वाले इलेक्ट्रॉन-स्थानान्तरण को दर्शाइए। 1
- (ii) उच्च गलनांक और उच्च क्वथनांक के अतिरिक्त आयनी यौगिकों के किन्हीं अन्य दो गुणधर्मों की सूची बनाइए। 1



- (ii) Why should an ammeter have low resistance ?
- (iii) Two V - I graphs A and B for series and parallel combinations of two resistors are as shown. Giving reason state which graph shows (a) series, (b) parallel combination of the resistors.



**SECTION – E**  
**(Source Based/Case Based Questions)**

37. The melting points and boiling points of some ionic compounds are given below :

4

Compound	Melting Point (K)	Boiling Point (K)
NaCl	1074	1686
LiCl	887	1600
CaCl <sub>2</sub>	1045	1900
CaO	2850	3120
MgCl <sub>2</sub>	981	1685

These compounds are termed ionic because they are formed by the transfer of electrons from a metal to a non-metal. The electron transfer in such compounds is controlled by the electronic configuration of the elements involved. Every element tends to attain a completely filled valence shell of its nearest noble gas or a stable octet.

- (i) Show the electron transfer in the formation of magnesium chloride. 1
- (ii) List two properties of ionic compounds other than their high melting and boiling points. 1



- (iii) (A) किसी आयनी यौगिक जैसे सोडियम क्लोराइड में सोडियम परमाणु किस प्रकार स्थायी विन्यास प्राप्त करता है ? 2

अथवा

- (iii) (B) कारण दीजिए : 2

- (i) आयनी यौगिक ठोस अवस्था में विद्युत चालन क्यों नहीं करते हैं ?  
(ii) सोडियम क्लोराइड के जलीय विलयन में धारा प्रवाहित करने पर कैथोड पर क्या होता है ?

38. जनन प्रक्रिया का सर्वाधिक प्रत्यक्ष निष्कर्ष संतति में व्यष्टियों का समरूप डिजाइन होना है, परन्तु लैंगिक जनन में वे तथ्यतः समरूप नहीं होते हैं। इनमें समरूपताएं और विभिन्नताएं सुस्पष्ट होती हैं। वंशागति के नियम उस प्रक्रिया को निर्धारित करते हैं जिसके द्वारा लक्षण और विशेषताएं विश्वसनीयता से वंशानुगत होती हैं। वंशागति के नियमों के अध्ययन के लिए कई प्रयोग किए गए हैं। 4

- (i) लैंगिक जनन में मानवों की संतति अपने जनकों की यथातथ्य प्रतिकृति क्यों नहीं होती है ? 1  
(ii) पौधों में वंशागति के प्रयोगों को करते समय  $F_1$  और  $F_2$  संतति के पौधों में क्या अन्तर पाया जाता है ? 1  
(iii) (A) हम यह क्यों कहते हैं कि किसी स्पीशीज़ के अस्तित्व की वृद्धि के लिए विभिन्नता आवश्यक है ? 2

अथवा

- (iii) (B) मेंडल के दो विपर्यासी लक्षणों वाले जोड़ों के पौधों के बीच संकरण का अध्ययन कीजिए। 2

RRYY × rryy  
गोल पीले झुर्रीदार हरे

उन्होंने  $F_2$  संतति के पौधों में चार प्रकार के संयोजनों का प्रेक्षण किया। ये चार नये संयोजन क्या थे ?  $F_2$  संतति में वह नए संयोजन, जो जनक पौधों में उपस्थित नहीं थे, क्यों दृष्टिगोचर हुए ?



- (iii) (A) While forming an ionic compound say sodium chloride how does sodium atom attain its stable configuration ? 2

**OR**

- (iii) (B) **Give reasons :** 2

- (i) Why do ionic compounds in the solid state not conduct electricity ?
- (ii) What happens at the cathode when electricity is passed through an aqueous solution of sodium chloride ?

- 38.** The most obvious outcome of the reproductive process is the generation of individuals of similar design, but in sexual reproduction they may not be exactly alike. The resemblances as well as differences are marked. The rules of heredity determine the process by which traits and characteristics are reliably inherited. Many experiments have been done to study the rules of inheritance. 4

- (i) Why an offspring of human being is not a true copy of his parents in sexual reproduction ? 1
- (ii) While performing experiments on inheritance in plants, what is the difference between  $F_1$  and  $F_2$  generation ? 1
- (iii) (A) Why do we say that variations are useful for the survival of a species over time ? 2

**OR**

- (iii) (B) Study Mendel's cross between two plants with a pair of contrasting characters. 2

RRYY                      ×                      rryy  
Round Yellow                      Wrinkled Green

He observed 4 types of combinations in  $F_2$  generation. Which of these were new combinations ? Why do new features which are not present in the parents, appear in  $F_2$  generation ?



39. किसी माध्यम की प्रकाश को अपवर्तित करने की क्षमता को उसके प्रकाशिक घनत्व के पदों में व्यक्त किया जाता है। प्रकाशिक घनत्व का एक निश्चित संपृक्तार्थ है। यह द्रव्यमान घनत्व के समान नहीं है। दो माध्यमों की तुलना करने पर जिस पदार्थ का अपवर्तनांक अधिक होता है वह दूसरे पदार्थ की तुलना में अधिक प्रकाशिक सघन माध्यम कहा जाता है। अन्य माध्यम जिसका अपवर्तनांक निम्न है, प्रकाशिक विरल होता है। किसी दिए गए माध्यम में प्रकाश की चाल उसके प्रकाशिक घनत्व के व्युत्क्रमानुपाती होती है।

(i) यदि हीरे का निर्वात के सापेक्ष अपवर्तनांक 2.42 है, तो हीरे में प्रकाश की चाल निर्धारित कीजिए। निर्वात में प्रकाश की चाल  $3 \times 10^8$  m/s है। 1

(ii) काँच, जल और कार्बन डाइसल्फाइड के अपवर्तनांक क्रमशः 1.5, 1.33 और 1.62 हैं। यदि कोई प्रकाश किरण इन माध्यमों पर समान कोण (मान लीजिए  $\theta$ ) पर आपतन करती है, तो इन माध्यमों में अपवर्तन कोणों को आरोही (बढ़ते) क्रम में लिखिए। 1

(iii) (A) काँच में प्रकाश की चाल  $2 \times 10^8$  m/s और जल में प्रकाश की चाल  $2.25 \times 10^8$  m/s है। 2

(a) इनमें से कौन अधिक प्रकाशिक सघन है और क्यों ?

(b) किसी जल से भरे मोटे काँच के पात्र के काँच-जल अन्तरापृष्ठ पर कोई प्रकाश किरण अभिलम्बवत् आपतन करती है। इस किरण के काँच में प्रवेश करने के पश्चात् पथ का क्या होगा ? कारण दीजिए।

अथवा

(iii) (B) जल और काँच के निरपेक्ष अपवर्तनांक क्रमशः  $4/3$  और  $3/2$  हैं। यदि काँच में प्रकाश की चाल  $2 \times 10^8$  m/s है, तो (i) निर्वात और (ii) जल में प्रकाश की चाल ज्ञात कीजिए। 2



39. The ability of a medium to refract light is expressed in terms of its optical density. Optical density has a definite connotation. It is not the same as mass density. On comparing two media, the one with the large refractive index is optically denser medium than the other. The other medium with a lower refractive index is optically rarer. Also the speed of light through a given medium is inversely proportional to its optical density. 4
- (i) Determine the speed of light in diamond if the refractive index of diamond with respect to vacuum is 2.42. Speed of light in vacuum is  $3 \times 10^8$  m/s. 1
- (ii) Refractive indices of glass, water and carbon disulphide are 1.5, 1.33 and 1.62 respectively. If a ray of light is incident in these media at the same angle (say  $\theta$ ), then write the increasing order of the angle of refraction in these media. 1
- (iii) (A) The speed of light in glass is  $2 \times 10^8$  m/s and in water is  $2.25 \times 10^8$  m/s. 2
- (a) Which one of the two is optically denser and why ?
- (b) A ray of light is incident normally at the water-glass interface when it enters a thick glass container filled with water. What will happen to the path of the ray after entering the glass ? Give reason.

**OR**

- (iii) (B) The absolute refractive indices of water and glass are  $\frac{4}{3}$  and  $\frac{3}{2}$  respectively. If the speed of light in glass is  $2 \times 10^8$  m/s, find the speed of light in (i) vacuum and (ii) water. 2







**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**  
**Secondary School Examination, 2023**  
**Marking Scheme – Science (SUBJECT CODE -086) HINDI**  
**(PAPER CODE –31/4/1)**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2. **“Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its’ leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under various rules of the Board and IPC.”**
3. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one’s own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In class-X, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.**
4. The Marking scheme carries only suggested value points for the answers. These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after deliberation and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6. Evaluators will mark(  $\surd$  ) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS ‘X’ be marked. Evaluators will not put right ( $\surd$ ) while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
7. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

9. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note “**Extra Question**”.
10. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
11. A full scale of marks **80** (example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines). This is in view of the reduced syllabus and number of questions in question paper.
13. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-
  - Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
  - Giving more marks for an answer than assigned to it.
  - Wrong totaling of marks awarded on a reply.
  - Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
  - Wrong question wise totaling on the title page.
  - Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
  - Wrong grand total.
  - Marks in words and figures not tallying / not same.
  - Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
  - Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
  - Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.
15. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the “**Guidelines for spot Evaluation**” before starting the actual evaluation. Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.
17. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.
18. The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

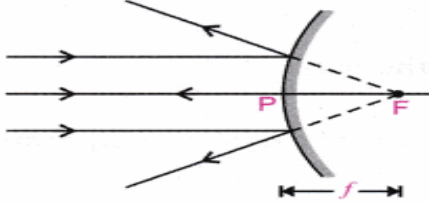
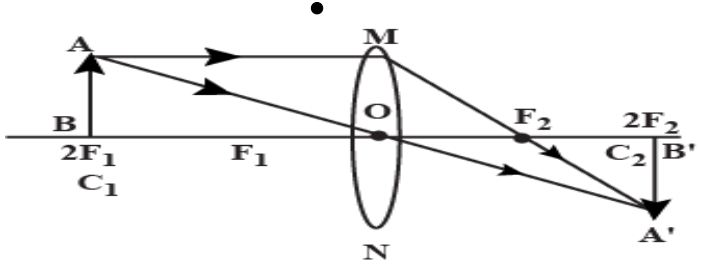
अंकन योजना (कक्षा - X)  
माध्यमिक विद्यालय परीक्षा, 2023  
विज्ञान (विषय कोड -086)  
[प्रसन पत्र कोड :31/4/1

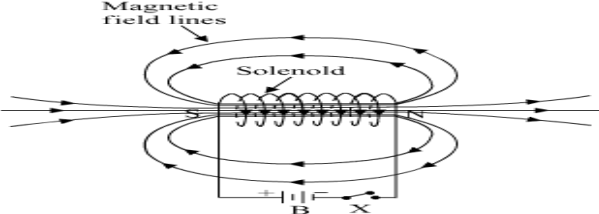
अधिकतम अंक:80

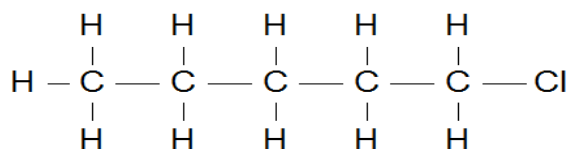
प्रश्नसं .	अपेक्षितउत्तर / मुख्य बिंदु	अंक	कुलअंक
<b>1</b>	<b>खण्ड – क</b>		
1.	(c)	1	1
2.	(b)	1	1
3.	(b)	1	1
4.	(d)	1	1
5.	(b)	1	1
6.	(c)	1	1
7.	(c)	1	1
8.	(b)	1	1
9.	(b)	1	1
10.	(a)	1	1
11.	(a)	1	1
12.	(d)	1	1
13.	(b)	1	1
14.	(c)	1	1
15.	(b)	1	1
16.	(d)	1	1
17.	(a)	1	1
18.	(d)	1	1
19.	(c)	1	1
20.	(b)	1	1
	<b>खण्ड- ख</b>		
21	(A) (i) • कॉपर IIक्लोराइड /कॉपर क्लोराइड /क्युप्रिक क्लोराइड /CuCl <sub>2</sub> • रंग : नीला -हरा (ii) CuO + 2HCl → CuCl <sub>2</sub> + H <sub>2</sub> O अथवा (B) X :सोडियम क्लोराइड/ NaCl Y :हाइड्रोजन / H <sub>2</sub>	½, ½ 1  ½ ½	

	Z : क्लोरीन / $Cl_2$ B : विरंजक चूर्ण / $CaOCl_2$	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	2
22	(A) (i) अनुमस्तिष्क / पश्चमस्तिष्क (ii) मेडुला / पश्चमस्तिष्क (iii) अग्र मस्तिष्क / प्रममस्तिष्क (iv) मेडुला/ पश्चमस्तिष्क अग्रभाग <b>अथवा</b> (B) प्रारोह के अग्रभाग / जड़ का अग्रभाग (i) प्रारोह/तना (ii) प्रारोह/तना (iii) जड़	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	2
23	(i) $N_2$ वर्ज्य पदार्थ युक्त रुधिर को वृक्क तक लाना (ii) मूत्र की निकासी (iii) रुधिर को छानना (iv) चयनात्मक पदार्थों का पुनरवशोषण	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	2
24	● अंधेरे में रखा पौधा प्रकाश संश्लेषण नहीं कर पाता है और ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में वह श्वसन नहीं कर सकता है। ● लेकिन प्रकाश में रखा पौधा प्रकाश संश्लेषण द्वारा $CO_2$ को ऑक्सीजन में परिवर्तित करता है जिसे वह श्वसन में उपयोग कर सकता है।	1 1	2
25	(A) (i) निकट - दृष्टि दोष / निकटदृष्टिता (ii) ● अभिनेत्र लेंस की वक्रता का अत्यधिक होना ● नेत्र गोलक का लम्बा हो जाना (iii) अवतल लेंस/ अपसारी लेंस <b>अथवा</b> (B) ● वायुमंडल में कणों का साइज़ दृश्य प्रकाश की तरंगदैर्घ्य की तुलना में छोटा होता है इसलिए वे कम तरंगदैर्घ्य वाले प्रकाश का प्रकीर्णन करते हैं। i.e. नीला रंग ● अंतरिक्ष में, कणों की अनुपस्थिति के कारण प्रकाश का प्रकीर्णन नहीं होता है। (वायुमंडल का न होना)	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1 1	2
26	चूँकि ये रसायन अजैव निम्नीकृत और अंत में परिणाम होते हैं, ये प्रत्येक पोषी स्तर पर उत्तरोत्तर सांद्रित होते जाते हैं जैव-आवर्धन हो जाता है।	2	2
	<b>खण्ड - ग</b>		
27	(i) ● जल की चालकता बढ़ाने के लिए ● हाइड्रोजन - कैथोड - ऑक्सीजन - एनोड ● एनोड : कैथोड <b>1 : 2</b>	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	

	<p>/ कैथोड पर मुक्त हाइड्रोजन का आयतन एनोड पर मुक्त ऑक्सीजन से दोगुना होता है।</p> <p>(ii) • सफेद सिल्वर क्लोराइड धूसर हो जाता है। • वियोजन (अपघटन) अभिक्रिया / प्रकाशीय वियोजन (अपघटन)</p>	<p>½</p> <p>½</p> <p>½</p>	3
28	<p>(i) अम्ल को सदैव जल में धीरे-धीरे लगातार हिलाते हुए मिलाना चाहिए।</p> <p>(ii) सोडियम सल्फेट/ <math>\text{Na}_2\text{SO}_4</math> pH = 7</p> <p>(iii) HCl आयनीत नहीं होता है / हाइड्रोजन आयन / ह्यूड्रोनीयम आयन की अनुपस्थिति के कारण</p>	<p>1</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>1</p>	3
29	<p>(A) (i) पशु की गति की सहायता से भोजन एक विशिष्ट स्थान से ग्रहण किया जाता है</p> <p>(ii)</p> <p>(a) एक अम्लीय माध्यम तैयार करता है जो एंजाइम की क्रिया में सहायक है/ अन्तर्ग्रहित भोजन के साथ सूक्ष्म जीवों को समाप्त करना। जीवों को निष्क्रिय करना</p> <p>(b) प्रोटीनों का पाचन</p> <p>(c) पाचक रसों के साथ भोजन को अच्छी तरह मिलाना / कुर्माकुंचित गति द्वारा भोजन को आगे की ओर भेजना</p> <p>(d) स्टार्च को शर्करा में परिवर्तित करना</p> <p>अथवा</p> <p>(B)</p> <p>(i) प्रत्येक चक्र में रुधिर दो बार हृदय में जाता है।</p> <p>(ii) • शरीर को उच्च दक्षतापूर्ण ऑक्सीजन की पूर्ति के लिये रोकना • इस तरह का बँटवारा शरीर को उच्च दक्षतापूर्ण ऑक्सीजन की पूर्ति करता है जो पक्षियों और स्तनपायियों की मदद करता है जिन्हें अपने शरीर का तापक्रम बनाए रखने के लिए निरंतर ऊर्जा की आवश्यकता होती है</p>	<p>1</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>	3
30	<p>(A)</p> <p>(i) अपसारी दर्पण के मुख्य अक्ष के समानांतर किरणें दर्पण से परावर्तन के बाद मुख्य अक्ष पर एक बिंदु से अपसरित होती हुई प्रतीत होती हैं। इस बिंदु को मुख्य फोकस कहा जाता है।</p> <p>(ii) दर्पण के ध्रुव तथा मुख्य फोकस के बीच की दूरी</p>	<p>1</p> <p>1</p>	

	 <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>(B) <math>\frac{1}{v} - \frac{1}{u} = \frac{1}{f}</math></p> $\frac{1}{v} = \frac{1}{f} + \frac{1}{u}$ <p><b>f=15 cm, u=-25 cm, h=10 cm</b></p> $\frac{1}{v} = \frac{1}{15\text{cm}} + \frac{1}{-25\text{cm}} = \frac{2}{75} = + \frac{1}{37.5}$ <p><b>v = 37.5 cm</b></p> <p>प्रतिबिम्ब की ऊँचाई = <math>\frac{v}{u} \times \text{height of the object}</math> <b>बिम्ब की ऊँचाई</b></p> $= \frac{37.5}{-25} \times 10 \text{ cm}$ <p style="text-align: center;"><b>h' = -15 cm</b></p>	<p style="text-align: center;">1</p> <p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p> <p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p> <p style="text-align: center;">1</p> <p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p> <p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p>	<p style="text-align: center;">3</p>
<p>31</p>	<p>• लेंस की फोकस दूरी, <b>f(m) = <math>\frac{1}{P}</math></b></p> <p><b>P = + 4.0 D</b></p> <p><math>\Rightarrow f = \frac{1}{+4D} = 0.25 \text{ m} = 25 \text{ cm}</math></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• वास्तविक और उल्टा</li> <li>• आवर्धन = -1</li> </ul>  <p>[किरणों की दिशा चिह्नित नहीं होने पर आधा अंक घटाएं]</p>	<p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p> <p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p> <p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p> <p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p> <p style="text-align: center;">1</p>	<p style="text-align: center;">3</p>
<p>32</p>	<p>(A) (i) प्रत्यावर्ती धारा को सुदूर स्थानों पर बिना अधिक विद्युत ऊर्जा क्षय के प्रेषित किया जा सकता है।</p> <p>(ii) घरेलू आपूर्ति - प्रत्यावर्ती धारा (AC)</p> <p>शुष्क सेल की बैटरी - दिष्ट धारा (DC)</p>	<p style="text-align: center;">1</p> <p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p> <p style="text-align: center;"><math>\frac{1}{2}</math></p>	

	<p>(iii) जब विद्युत परिपथ में फ्यूज के अनुमतांक(रेटिंग) से अधिक विद्युत धारा प्रवाहित होती है तो यह पिघल कर विद्युत परिपथ को तोड़ देता है।</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p><b>(B)</b></p>  <p>(यदि धारा या चुंबकीय क्षेत्र की दिशा चिह्नित नहीं है तो आधा अंक काट दें)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• बिंदु A पर अधिकतम चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं बहुत पास और घनित हैं/ परिनालिका में 'n' फेरो की संख्या के कारण चुंबकीय क्षेत्र में वृद्धि हो जाती है</li> <li>• बिंदु B पर न्यूनतम चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं एक दुसरे से काफी दूर हैं</li> </ul>	<p style="text-align: center;">1</p> <p style="text-align: center;">1</p> <p style="text-align: center;">1/2</p> <p style="text-align: center;">1/2</p> <p style="text-align: center;">1/2</p> <p style="text-align: center;">1/2</p>	<p style="text-align: center;">3</p>				
33	<ul style="list-style-type: none"> <li>• <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="width: 50%;">जैव निम्नीकरणीय</th> <th style="width: 50%;">अजैव निम्नीकरणीय</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>जैव निम्नीकरणीय वर्ज्य जैविक प्रक्रम द्वारा अपघटित हो जाते हैं।</td> <td>अजैव निम्नीकरणीय जैविक वर्ज्य प्रक्रम में अपघटित नहीं होते हैं।</td> </tr> </tbody> </table> </li> <li>• संचित जैव निम्नीकरणीय अपशिष्टों का प्रभाव: <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) बदबू</li> <li>(ii) रोगवाहकों के लिए प्रजनन स्थान (या कोई अन्य)</li> </ul> </li> <li>• संचित अजैव निम्नीकरणीय अपशिष्टों का प्रभाव : <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) जैव- आवर्धन</li> <li>(ii) मृदा की उर्वरता को प्रभावित करता है। ( या कोई अन्य)</li> </ul> </li> </ul>	जैव निम्नीकरणीय	अजैव निम्नीकरणीय	जैव निम्नीकरणीय वर्ज्य जैविक प्रक्रम द्वारा अपघटित हो जाते हैं।	अजैव निम्नीकरणीय जैविक वर्ज्य प्रक्रम में अपघटित नहीं होते हैं।	<p style="text-align: center;">1</p> <p style="text-align: center;">1/2</p> <p style="text-align: center;">1/2</p> <p style="text-align: center;">1/2</p> <p style="text-align: center;">1/2</p>	<p style="text-align: center;">3</p>
जैव निम्नीकरणीय	अजैव निम्नीकरणीय						
जैव निम्नीकरणीय वर्ज्य जैविक प्रक्रम द्वारा अपघटित हो जाते हैं।	अजैव निम्नीकरणीय जैविक वर्ज्य प्रक्रम में अपघटित नहीं होते हैं।						
	<b>खण्ड - घ</b>						
34	<p><b>(A) (i)</b></p> <p><b>(a)</b></p> $  \begin{array}{ccccccc}  & \text{H} & \text{H} & \text{H} & \text{O} & & \\  &   &   &   &    & & \\  \text{H} & - \text{C} & - \text{C} & - \text{C} & - \text{C} & - \text{OH} & \\  &   &   &   & & & \\  & \text{H} & \text{H} & \text{H} & & &   \end{array}  $ <p><b>(b)</b></p>	<p style="text-align: center;">1</p>					



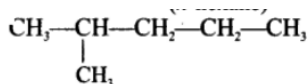
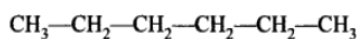
1

(ii) • समावयव

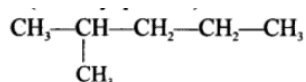
½

•लेकिन संरचना भिन्न है / इनका अणुसूत्र समान है

½



1



(कोई एक )

(iii)

संतृप्त योगिक	असंतृप्त योगिक
$\text{C}_n\text{H}_{2n+2}$	$\text{C}_n\text{H}_{2n}$ and $\text{C}_n\text{H}_{2n-2}$
•H परमाणुओं की संख्या C परमाणुओं के दुगने से अधिक होती है	•H परमाणुओं की संख्या C परमाणुओं के दुगने से कम या बराबर होती है

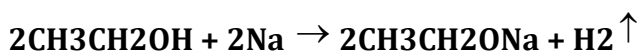
1

(कोई एक )

अथवा

(B) (i) H<sub>2</sub> गैस उत्सर्जित होती है और सोडियम एथॉक्साइड बनता है।

½



1

(समीकरण संतुलित न होने पर अंक न काटें)

(ii) शुद्ध एथेनॉइड अम्ल का गलनांक निम्न(290K) होता है इसलिए यह ठंडी जलवायु में सर्दियों के दौरान जम जाता है।

1

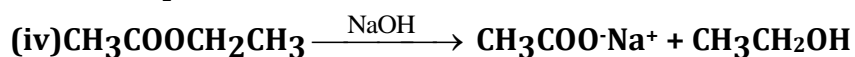
(iii) •एथेन बनती है  $\text{CH}_3\text{CH}_2\text{OH} \xrightarrow[\text{H}_2\text{SO}_4]{\text{Hot conc.}} \text{CH}_2 = \text{CH}_2 + \text{H}_2\text{O}$ 

1

एथीन

• H<sub>2</sub>SO<sub>4</sub> - निर्जलीकारक / एथेनॉल से जल को निकाल देता है।

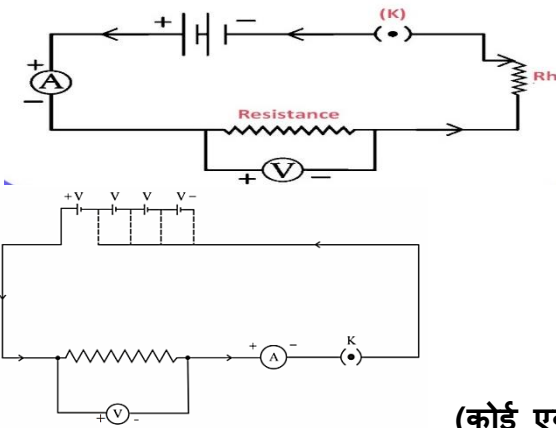
½

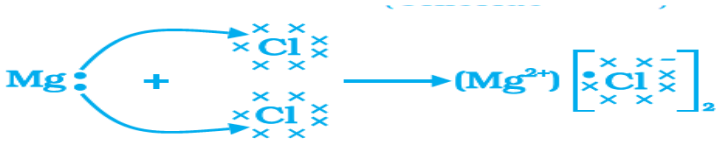


1

5



35	<p>(i) हाइड्रा में प्रेक्षित अलैंगिक जनन के दो विधिए:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• <b>मुकुलन</b> : एक विशिष्ट स्थान पर कोशिकाओं के नियमित विभाजन के कारण एक उभार विकसित होता है। यह उभार वृद्धि करता हुआ नन्हे जीव में बदल जाता है तथा पूर्ण विकसित होने पर, जनक से अलग होकर स्वतंत्र जीव बन जाता है।</li> <li>(b) <b>पुनर्जनन</b>: हाइड्रा को कई टुकड़ों में काटने देने पर प्रत्येक टुकड़ा एक पूर्ण जीव में विकसित हो जाता है।</li> </ul> <p>(ii) • परिभाषा: जब पौधों के कायिक भाग जैसे जड़, तना या पत्ती का उपयोग नए पौधों को उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• 1 इस प्रकार उगाये गए पौधों में बीज द्वारा उगाए पौधों की अपेक्षा पुष्प एवं फल कम समय में लगने हैं।</li> <li>2 केला, नारंगी, गुलाब और चमेली जैसे पौधों को उगाने के लिए उपयोगी है जो बीज उत्पन्न करने की क्षमता खो चुके हैं।</li> <li>3 उत्पादित पौधे आनुवंशिक रूप से सभी विशेषताओं के लिए जनक पौधे के समान हैं।</li> </ul> <p style="text-align: right;"><b>(कोई दो)</b></p>	<p>½,1</p> <p>½,1</p> <p>1</p> <p>½,½</p>	<p>5</p>
36	<p>(i) एक चालक से प्रवाहित धारा , विभवान्तर के समानुपातिक होती है <math>I \propto V</math> / <math>V \propto I</math> .</p>  <p style="text-align: center;"><b>(कोई एक)</b></p> <p>(ii) चूँकि एमीटर श्रेणीक्रम में जोड़ा जाता है यह परिपथ के प्रतिरोध को नहीं बढ़ाएगा/ परिपथ से अधिकतम धारा को प्रवाहित करेगा</p> <p>(iii) • ग्राफ A श्रेणीक्रम संयोजन के लिए</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• ग्राफ B पार्श्वक्रम संयोजन के लिए</li> </ul>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>	<p>5</p>

खण्ड - ड											
37	<p><b>(i)</b></p>  <p><b>(ii)</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• ये ठोस और कठोर होते हैं।</li> <li>• ये पानी में घुलनशील होते हैं</li> <li>• वे जलीय विलयन में या गलित अवस्था में विद्युत् का परिचालन करते हैं।</li> </ul> <p>(कोई अन्य) (कोई दो)</p> <p><b>(iii) (A)</b> • सोडियम परमाणु के सबसे बाहरी कक्ष में एक इलेक्ट्रॉन होता है,  <ul style="list-style-type: none"> <li>• इस इलेक्ट्रॉन को खोकर <math>Na^+</math> आयन बनाकर यह स्थाई विन्यास प्राप्त करता है/</li> </ul> <math display="block">Na \rightarrow Na^+ + e^-</math> <math display="block">2,8,1 \quad 2,8 \text{ - स्थाई}</math> <p>अथवा</p> <p><b>(iii) (B)</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) ठोस अवस्था में द्रुढ संरचना के कारण आयनों की गति संभव नहीं है/</li> <li>(ii) कैथोड पर <math>H_2</math> गैस मुक्त होती है।</li> </ul> </p>	1									
		½, ½									
		1									
		1									
		1	4								
38	<p><b>(i)</b> लैंगिक जनन में नर और मादा युग्मकों का संलयन होता है, जिसमें उनके लक्षण मिश्रित हो जाते हैं जो संतति में लक्षणों में भिन्नता पैदा करता है।</p> <p><b>(ii)</b></p> <table border="1" data-bbox="268 1243 1204 1568"> <thead> <tr> <th>F<sub>1</sub> संतति</th> <th>F<sub>2</sub> संतति</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>यह उन संततियों को संदर्भित करता है जो माता-पिता के बीच संकरण से तुरंत उत्पन्न होते हैं।</td> <td>F<sub>1</sub> पीढ़ी के पौधों के बीच संकरण से उत्पन्न संतति संदर्भित करता है।</td> </tr> <tr> <td>F<sub>1</sub> संतति में केवल प्रभावी लक्षण प्रदर्शित होते हैं</td> <td>F<sub>2</sub> संतति में प्रभावी और अप्रभावी दोनों लक्षण प्रदर्शित होते हैं</td> </tr> <tr> <td></td> <td>(कोई एक)</td> </tr> </tbody> </table> <p><b>(iii) (A)</b> क्योंकि अगर जीवों की आबादी का एक स्थान बदल दिया जाए, तो पूरी आबादी का सफाया हो सकता है। हालांकि, अगर इस आबादी में विविधताएं मौजूद हैं तो उनके जीवित रहने की कुछ संभावना है।</p> <p>[वैकल्पिक उत्तर]</p> <p>यदि समशीतोष्ण जल में बैक्टीरिया की एक कॉलोनी है और अगर ग्लोबल वार्मिंग से इस पानी का तापमान बढ़ जाता है, तो अधिकांश बैक्टीरिया मर जाएंगे, लेकिन गर्मी के प्रतिरोधी कुछ वेरिएंट जीवित रहेंगे और आगे बढ़ेंगे। इस प्रकार विविधताएं समय के साथ प्रजातियों के अस्तित्व के लिए उपयोगी होती हैं।</p>	F <sub>1</sub> संतति	F <sub>2</sub> संतति	यह उन संततियों को संदर्भित करता है जो माता-पिता के बीच संकरण से तुरंत उत्पन्न होते हैं।	F <sub>1</sub> पीढ़ी के पौधों के बीच संकरण से उत्पन्न संतति संदर्भित करता है।	F <sub>1</sub> संतति में केवल प्रभावी लक्षण प्रदर्शित होते हैं	F <sub>2</sub> संतति में प्रभावी और अप्रभावी दोनों लक्षण प्रदर्शित होते हैं		(कोई एक)	1	
F <sub>1</sub> संतति	F <sub>2</sub> संतति										
यह उन संततियों को संदर्भित करता है जो माता-पिता के बीच संकरण से तुरंत उत्पन्न होते हैं।	F <sub>1</sub> पीढ़ी के पौधों के बीच संकरण से उत्पन्न संतति संदर्भित करता है।										
F <sub>1</sub> संतति में केवल प्रभावी लक्षण प्रदर्शित होते हैं	F <sub>2</sub> संतति में प्रभावी और अप्रभावी दोनों लक्षण प्रदर्शित होते हैं										
	(कोई एक)										
		1									
		2									

	(अन्य कोई)  <b>अथवा</b>  <b>(iii) (B)</b> * झुर्रीदार, पीले * गोल, हरे * यदि दो या अधिक लक्षण शामिल हैं, तो माता-पिता में मौजूदसंयोजन के बावजूद संततियों में उनके जीन स्वतंत्र रूप से वंशानुगत होते हैं			
39	<b>(i)</b> हीरे का अपवर्तनांक = $\frac{\text{Velocity of light in vacuum}}{\text{Velocity of light in diamond}}$ हीरे में प्रकाश का वेग = $\frac{3 \times 10^8 \text{ m/s}}{2.42} = 1.23 \times 10^8 \text{ m/s}$ <b>(ii)</b> कार्बन डाइसल्फाइड में $\angle r <$ कांच में $\angle r <$ जल में $\angle r$ <b>(iii) (A)</b> • कांच • पानी से सघन है क्योंकि पानी में प्रकाश की गति कांच में प्रकाश की गति से अधिक है/ जल की अपवर्तनांक की अपेक्षा कांच का अपवर्तनांक अधिक होता है <b>(B)</b> प्रकाश पानी से काँच में बिना झुके प्रवेश करेगा ( अविचलित / सीधा) क्योंकि इस प्रकरण मे $\angle i = 0 ; \angle r = 0$  <b>अथवा</b> <b>(iii) (B)</b> $n_{\text{कांच}} = \frac{3}{2}$ $n_{\text{जल}} = \frac{4}{3}$ $v_{\text{कांच}} = 2 \times 10^8 \text{ m/s}$ $n_{\text{कांच}} = \frac{\text{speed of light in vacuum (c)}}{\text{speed of light glass (v}_g)}$ $C = n_{\text{कांच}} \times v_{\text{कांच}}$ $= \frac{3}{2} \times 2 \times 10^8 \text{ m/s}$ $= 3 \times 10^8 \text{ m/s}$ $v_{\text{जल}} = \frac{C}{n_{\text{water}}} = \frac{3 \times 10^8 \text{ m/s}}{\frac{4}{3}}$ $= \frac{9}{4} \times 10^8 \text{ m/s} = 2.25 \times 10^8 \text{ m/s}$	1/2 1/2 1 1/2 1/2 1 1 1	4 4	

\*\*\*\*\*

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**  
**Secondary School Examination, 2023**  
**Marking Scheme – Science (SUBJECT CODE -086) HINDI**  
**(PAPER CODE –31/4/2)**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2. **“Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its’ leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under various rules of the Board and IPC.”**
3. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one’s own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In class-X, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.**
4. The Marking scheme carries only suggested value points for the answers. These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after deliberation and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6. Evaluators will mark(  $\checkmark$  ) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS ‘X’ be marked. Evaluators will not put right ( $\checkmark$ )while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
7. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

9. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note “**Extra Question**”.
10. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
11. A full scale of marks **80** (example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines). This is in view of the reduced syllabus and number of questions in question paper.
13. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-
  - Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
  - Giving more marks for an answer than assigned to it.
  - Wrong totaling of marks awarded on a reply.
  - Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
  - Wrong question wise totaling on the title page.
  - Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
  - Wrong grand total.
  - Marks in words and figures not tallying / not same.
  - Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
  - Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
  - Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.
15. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the “**Guidelines for spot Evaluation**” before starting the actual evaluation. Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.
17. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.
18. The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

अंकन योजना (कक्षा - X)  
माध्यमिक विद्यालय परीक्षा, 2023  
विज्ञान (विषय कोड -086)  
[प्रसन पत्र कोड :31/4/2]

अधिकतम अंक : 80

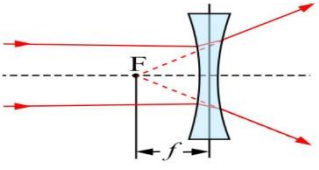
प्रश्नसं.	अपेक्षितउत्तर / मूल्यअंक	अंक	कुलअंक
	खण्ड – क		
1.	(c)	1	1
2.	(c)	1	1
3.	(b)	1	1
4.	(d)	1	1
5.	(b)	1	1
6.	(b)	1	1
7.	(c)	1	1
8.	(d)	1	1
9.	(a)	1	1
10.	(c)	1	1
11.	(b)	1	1
12.	(b)	1	1
13.	(d)	1	1
14.	(b)	1	1
15.	(c)	1	1
16.	(c)	1	1
17.	(b)	1	1
18.	(c)	1	1
19.	(d)	1	1
20.	(a)	1	1
	खण्ड – ख		
21	(i) यह सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी विकिरणों से पृथ्वी की सतह को सुरक्षा प्रदान करती है	1	2
	(ii) यह सी.एफ.सी. (क्लोरोफ्लोरोकार्बन) के कारण हुआ था जिसका उपयोग रेफ्रिजरेट/अग्निशमन यंत्र/एरोसोल में किया जाता है	1	

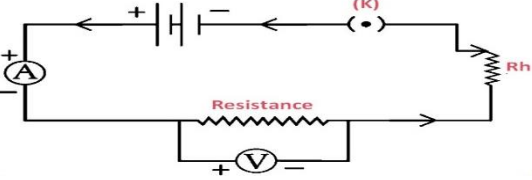
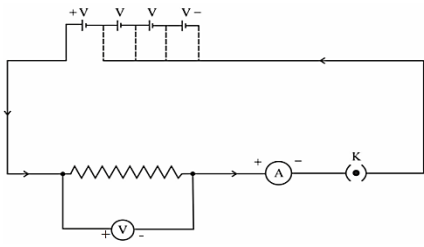
22	<p>(A) (i) निकट - दृष्टि दोष /निकटदृष्टिता</p> <p>(ii)●अभिनेत्र लेंस की वक्रता का अत्यधिक होना</p> <p>●नेत्र गोलक का लम्बा हो जाना</p> <p>(iii) अवतल लेंस/ अपसारी लेंस</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>(B) ●वायुमंडल में कणों का साइज़ दृश्य प्रकाश की तरंगदैर्घ्य की तुलना में छोटा होता है इसलिए वे कम तरंगदैर्घ्य वाले प्रकाश का प्रकीर्णन करते हैं।i.e.नीला रंग</p> <p>●अंतरिक्ष में ,कणों की अनुपस्थिति के कारण प्रकाश का प्रकीर्णन नहीं होता है।(वायुमंडल का न होना )</p>	<p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>1</p> <p>1</p>	<p>2</p>
23	<p>● अंधेरे में रखा पौधा प्रकाश संश्लेषण नहीं कर पता है और ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में वह श्वसन नहीं कर सकता है ।</p> <p>● प्रकाश में रखा पौधा प्रकाश संश्लेषण कर CO<sub>2</sub>को ऑक्सीजन में परिवर्तित करता है जिसे वह श्वसन में उपयोग कर लेता है ।</p>	<p>1</p> <p>1</p>	<p>2</p>
24	<p>● पित्त रस भोजन को क्षारीय बनाता है जिससे अम्लशयिक एंजाइम इस पर कार्य कर पाते हैं।</p> <p>● यह वसा की बड़ी गोलिकाओ को छोटी - छोटी गोलिकाओ में खंडित कर देता है / वसा का इमल्सीकरण हो जाता है</p>	<p>1</p> <p>1</p>	<p>2</p>
25	<p>● एड्रीनलीन</p> <p>●तीन अनुक्रियाएँ :-</p> <p>(a) यह हृदय की धड़कन को बढ़ाता है।</p> <p>(b) पाचन तंत्र में रुधिर की आपूर्ति कम हो जाती है।</p> <p>(c) श्वास दर बढ़ जाती है।</p> <p>(d) त्वचा में रुधिर की आपूर्ति कम हो जाती है।।</p> <p style="text-align: right;"><b>(कोई तीन सही बिंदु)</b></p>	<p>½</p> <p>½×3</p>	<p>2</p>
26	<p>(A) (i)●कॉपर II क्लोराइड /कॉपर क्लोराइड /क्युप्रिक क्लोराइड /CuCl<sub>2</sub></p> <p>● रंग : नीला -हरा</p> <p>(ii)CuO + 2HCl →CuCl<sub>2</sub> + H<sub>2</sub>O</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>(B) X : सोडियम क्लोराइड/ NaCl</p> <p>Y : हाइड्रोजन / H<sub>2</sub></p> <p>Z : क्लोरीन / Cl<sub>2</sub></p> <p>B : विरंजक चूर्ण /CaOCl<sub>2</sub></p>	<p>½,</p> <p>½</p> <p>1</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>½</p>	<p>2</p>



		खण्ड – ग					
27	<ul style="list-style-type: none"> <li>●</li> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="width: 50%;">जैव निम्नीकरणीय</td> <td style="width: 50%;">अजैव निम्नीकरणीय</td> </tr> <tr> <td>जैव निम्नीकरणीय जैविक प्रक्रम अपघटित हो जाते है।</td> <td>अजैव निम्नीकरणीय जैविक प्रक्रम में अपघटित नहीं होते है।</td> </tr> </table> <ul style="list-style-type: none"> <li>● संचित जैव निम्नीकरणीय अपशिष्टों का प्रभाव : <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) बदबू</li> <li>(ii) रोगवाहकों के लिए प्रजनन स्थान (या कोई अन्य)</li> </ul> </li> <li>● संचित अजैव निम्नीकरणीय अपशिष्टों का प्रभाव : <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) जैव- आवर्धन</li> <li>(ii) मृदा की उर्वरता को प्रभावित करता है। ( या कोई अन्य)</li> </ul> </li> </ul> </ul>	जैव निम्नीकरणीय	अजैव निम्नीकरणीय	जैव निम्नीकरणीय जैविक प्रक्रम अपघटित हो जाते है।	अजैव निम्नीकरणीय जैविक प्रक्रम में अपघटित नहीं होते है।	1	
जैव निम्नीकरणीय	अजैव निम्नीकरणीय						
जैव निम्नीकरणीय जैविक प्रक्रम अपघटित हो जाते है।	अजैव निम्नीकरणीय जैविक प्रक्रम में अपघटित नहीं होते है।						
28	<p>(A) (i) प्रत्यावर्ती धारा को विद्युत शक्ति को सुदूर स्थानों पर बिना अधिक विद्युत ऊर्जा क्षय के प्रेषित किया जा सकता है।</p> <p>(ii) घरेलू आपूर्ति - प्रत्यावर्ती धारा (AC)</p> <p style="padding-left: 40px;">शुष्क सेल की बैटरी – दिष्ट धारा (DC )</p> <p>(iii) जब विद्युत परिपथ में फ्यूज के अनुमतांक(रेटिंग) से अधिक विद्युत धारा प्रवाहित होती है तो यह पिघल कर विद्युत परिपथ को तोड़ देता है।</p> <p>अथवा</p> <p>(B) एक परिनालिका पर चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं</p> <div style="text-align: center;"> </div> <p>यदि धारा या चुंबकीय क्षेत्र की दिशा चिह्नित नहीं है तो आधा अंक काट दें</p> <p>बिंदु A पर अधिकतम</p> <p>चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं बहुत पास और घनित हैं/ परिनालिका में 'n' फेरो की संख्या के कारण चुंबकीय क्षेत्र में वृद्धि हो जाती है</p> <p>बिंदु B पर न्यूनतम</p> <p>चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं एक दुसरे से काफी दूर हैं</p>	1  1/2 1/2  1  1  1/2 1/2 1/2 1/2	3          3				

29	<table border="1"> <tr> <td>अवतल लेंस</td> <td>उत्तल लेंस</td> </tr> <tr> <td>● अत्यधिक छोटा प्रतिबिम्ब /<math>m &lt; 1</math></td> <td>● बड़ा (विवर्धित) प्रतिबिम्ब</td> </tr> <tr> <td>● <math>v &lt; u</math>/ प्रतिबिम्ब दूरी <math>&lt;</math> बिम्ब दूरी</td> <td>● <math>v &gt; u</math>/ प्रतिबिम्ब दूरी <math>&gt;</math> बिम्ब दूरी</td> </tr> </table>	अवतल लेंस	उत्तल लेंस	● अत्यधिक छोटा प्रतिबिम्ब / $m < 1$	● बड़ा (विवर्धित) प्रतिबिम्ब	● $v < u$ / प्रतिबिम्ब दूरी $<$ बिम्ब दूरी	● $v > u$ / प्रतिबिम्ब दूरी $>$ बिम्ब दूरी	$\frac{1}{2}$	3
	अवतल लेंस	उत्तल लेंस							
	● अत्यधिक छोटा प्रतिबिम्ब / $m < 1$	● बड़ा (विवर्धित) प्रतिबिम्ब							
	● $v < u$ / प्रतिबिम्ब दूरी $<$ बिम्ब दूरी	● $v > u$ / प्रतिबिम्ब दूरी $>$ बिम्ब दूरी							
	● निकट-दृष्टि दोष	$\frac{1}{2}$							
- अपसारी लेंस/ अवतल लेंस	$\frac{1}{2}$								
- प्रतिबिम्ब को वापस दृष्टिपटल पर ले आता है	$\frac{1}{2}$								
● दीर्घ-दृष्टि दोष	$\frac{1}{2}$								
- अभिसारी लेंस/ उत्तल लेंस	$\frac{1}{2}$								
- प्रतिबिम्ब को दृष्टिपटल पर ले आता है	$\frac{1}{2}$								
30	<p>(A) (i) उत्तल लेंस / अभिसारी लेंस</p> <p>(ii) क्षमता, <math>P = +2D</math></p> $f(m) = \frac{1}{P}$ $f = \frac{1}{2} = 0.5 \text{ m} = 50 \text{ cm}$ $u = -100 \text{ cm}$ $\frac{1}{f} = \frac{1}{v} - \frac{1}{u}$ $\frac{1}{50} = \frac{1}{v} + \frac{1}{100} = \frac{1}{50} - \frac{1}{100} = \frac{1}{100}$ $v = 100 \text{ cm} = 1 \text{ m}$ <p>केवल प्रतिबिम्ब दूरी के लिए वैकल्पिक उत्तर</p> $f = 50 \text{ cm}, u = 1 \text{ m या } 100 \text{ cm} = 2f$ $\therefore u = v$ <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>(B) (i)</p> <p>अपवर्तन के पश्चात् अपसारी लेंस के मुख्य अक्ष के समांतर प्रकाश की अनेक किरणें लेंस के मुख्य अक्ष पर एक बिंदु से अपसरित होती प्रतीत होती है। इस बिंदु को मुख्य फोकस कहा जाता है।</p>	1	$\frac{1}{2}$						
		$\frac{1}{2}$							
		$\frac{1}{2}$							
		$\frac{1}{2}$							

	(ii) लेंस के प्रकाशिक केंद्र और मुख्य फोकस के बीच की दूरी 	1 1	3
31	(A) (i) i पशु की गति की सहायता से भोजन एक विशिष्ट स्थान से ग्रहण किया जाता है (ii) (a) एक अम्लीय माध्यम तैयार करता है जो एंजाइम की क्रिया में सहायक है/ अन्तर्ग्रहित भोजन के साथ सूक्ष्म जीवों को समाप्त करना। जीवों को निष्क्रिय करना (b) प्रोटीनों का पाचन (c) पाचक रसों के साथ भोजन को अच्छी तरह मिलाना कुर्माकुंचित गति द्वारा भोजन को आगे की ओर भेजना (d) स्टार्च को शर्करा में परिवर्तित करना  अथवा (B) (i) प्रत्येक चक्र में रुधिर दो बार हृदय में जाता है। (ii) • शरीर को उच्च दक्षतापूर्ण ऑक्सीजन की पूर्ति के लिये रोकना • इस तरह का बँटवारा शरीर को उच्च दक्षतापूर्ण ऑक्सीजन की पूर्ति करता है जो पक्षियों और स्तनपायियों की मदद करता है जिन्हें अपने शरीर का तापक्रम बनाए रखने के लिए निरंतर ऊर्जा की आवश्यकता होती है	1  1/2 1/2 1/2 1/2  1 1 1	3
32	(i) अम्लीकृत जल में शुद्ध जल की तुलना में अधिक आयन होते हैं। (ii) $\text{KOH (s)} \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} \text{K}^+(\text{aq}) + \text{OH}^-(\text{aq})$ (iii) यह प्रक्रिया अत्यधिक ऊष्माक्षेपी है / अत्यधिक ताप(गर्मी) का कारण हो सकती है/ ऊष्मा उत्सर्जित होती है जो हानि पहुंचा सकती है / मिश्रण आस्फलित होकर बाहर आ सकता है।	1 1 1	3
33	(i) • जल की चालकता बढ़ाने के लिए • हाइड्रोजन - कैथोड - ऑक्सीजन - एनोड • एनोड : कैथोड 1 : 2 / कैथोड पर मुक्त हाइड्रोजन का आयतन एनोड पर मुक्त ऑक्सीजन से दोगुना होता है।  (ii) • सफेद सिल्वर क्लोराइड धूसर हो जाता है।	1/2 1/2, 1/2  1/2  1/2	

	●वियोजन (अपघटन) अभिक्रिया / प्रकाशीय वियोजन (अपघटन)	½	3
	<b>खण्ड – घ</b>		
34	<p>(i) स्थिर तापमान पर एक चालक से प्रवाहित धारा , विभवान्तर के समानुपातिक होती है। <math>V \propto I</math> / <math>I \propto V</math> .</p>   <p style="text-align: right;"><b>(कोई एक)</b></p> <p>(ii) अमीटर श्रेणीक्रम में जोड़ा जाता है और मापक यंत्र के रूप में इसे परिपथ में प्रवाहित धारा में परिवर्तन नहीं करना चाहिए।</p> <p>(iii) • ग्राफ A श्रेणीक्रम संयोजन के लिए  •(कम ढलान और अधिक प्रतिरोध)  • ग्राफ B पार्श्वक्रम संयोजन के लिए  •(अधिक ढलान और कम प्रतिरोध)</p>	1  1  ½ ½ ½ ½	5
35	<p>(i) हाइड्रा में प्रेक्षित अलैंगिक जनन के दो विधिएः</p> <p>(a) <b>मुकुलन</b> : एक विशिष्ट स्थान पर कोशिकाओं के नियमित विभाजन के कारण एक उभार विकसित होता है। यह उभार वृद्धि करता हुआ नन्हे जीव में बदल जाता है तथा पूर्ण विकसित होने पर, जनक से अलग होकर स्वतंत्र जीव बन जाता है।</p> <p>(b) <b>पुनर्जनन</b>: हाइड्रा को कई टुकड़ों में काटने देने पर प्रत्येक टुकड़ा एक पूर्ण जीव में विकसित हो जाता है।</p> <p>(ii) •परिभाषा: जब पौधों के कायिक भाग जैसे जड़, तना या पत्ती का उपयोग नए पौधों को उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।</p> <p>• (a) इस प्रकार उगाये गए पौधों में बीज द्वारा उगाए पौधों की अपेक्षा पुष्प</p>	½,1  ½,1  1	

	<p>एवं फल कम समय में लगने हैं।</p> <p>(b) केला, नारंगी, गुलाब और चमेली जैसे पौधों को उगाने के लिए उपयोगी है जो बीज उत्पन्न करने की क्षमता खो चुके हैं।</p> <p>(c) उत्पादित पौधे आनुवंशिक रूप से सभी विशेषताओं के लिए जनक पौधे के समान हैं।(कोई दो)</p>	<p>1/2, 1/2</p>	<p>5</p>
<p>36.</p>	<p>(A) (i) सहसंयोजक यौगिकों में मुक्त आयन/इलेक्ट्रॉन नहीं होते हैं</p> <p>(ii) ● यह C<sup>4+</sup> कैटायन(धनायन) नहीं बनाता है क्योंकि चार इलेक्ट्रॉनों को खोने के लिए अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी।</p> <p>● कार्बन C<sup>4-</sup> ऐनायन (ऋणायन) नहीं बनाता है क्योंकि (6 प्रोटोन वाले) छोटे नाभिक में दस इलेक्ट्रॉन धारण करना मुश्किल होता है।</p> <p>(iii)</p> <div data-bbox="403 824 887 1025" data-label="Chemical-Block"> </div> <p>(iv) (a) ऑक्सीजन / O</p> <p>(b) क्लोरीन / Cl</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>(B) (i) ● साबुन के अणु लंबी शृंखला वाले कार्बोक्सिलिक अम्लों के सोडियम या पोटेशियम लवण होते हैं / RCOO<sup>-</sup>Na<sup>+</sup>.</p> <p>● साबुन का आयनिक सिरा पानी से क्रिया करता है जबकि कार्बन शृंखला तैलीय गंदगी/कण के साथ क्रिया करता है। साबुन के अणु इस प्रकार एक मिसेली संरचना तैयार करते हैं जिसमें अणुओं का एक सिरा तेल की ओर और दूसरा बहार पानी की ओर होता है इससे पानी में इमल्शन बनता है। इस प्रकार साबुन के मिसेल मैल को पानी में निकालने या घुलाने में मदद करते हैं और हमारे कपड़े साफ हो जाते हैं।</p> <div data-bbox="531 1599 839 1854" data-label="Chemical-Block"> </div>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1/2</p> <p>1/2</p> <p>1</p> <p>2</p> <p>1</p>	

	(ii) अपमार्जक कठोर जल में उपस्थित कैल्शियम एवं मैग्नीशियम आयनों के साथ अघुलनशील पदार्थ/अवक्षेप) मैल स्कम नहीं बनाते हैं। इस प्रकार वह कठोर जल में भी प्रभावी बने रहते हैं।	1	5
	<b>खण्ड - इ</b>		
37	<p>(i) हीरे का अपवर्तनांक = <math>\frac{\text{Velocity of light in vacuum}}{\text{Velocity of light in diamond}}</math></p> <p>हीरे में प्रकाश का वेग = <math>\frac{3 \times 10^8 \text{ m/s}}{2.42} = 1.23 \times 10^8 \text{ m/s}</math></p> <p>(ii) कार्बन डाइसल्फाइड में <math>\angle r &lt;</math> कांच में <math>\angle r &lt;</math> जल में <math>\angle r</math></p> <p>(iii) (a) कांच, पानी से सघन है क्योंकि पानी में प्रकाश की गति कांच में प्रकाश की गति से अधिक है/ जल की अपवर्तनांक की अपेक्षा कांच का अपवर्तनांक अधिक होता है</p> <p>(b) प्रकाश पानी से काँच में बिना झुके प्रवेश करेगा ( अविचलित / सीधा) क्योंकि इस प्रकरण मे</p> <p style="text-align: center;"><math>\angle i = 0 ; \angle r = 0</math></p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>(iii) (B)</p> <p><math>n_{\text{कांच}} = \frac{3}{2}</math></p> <p><math>n_{\text{जल}} = \frac{4}{3}</math></p> <p><math>v_{\text{कांच}} = 2 \times 10^8 \text{ m/s}</math></p> <p><math>n_{\text{कांच}} = \frac{\text{speed of light in vacuum } (c)}{\text{speed of light glass } (v_g)}</math></p> <p><math>C = n_{\text{कांच}} \times v_{\text{कांच}}</math></p> <p><math>\frac{3}{2} \times 2 \times 10^8 \text{ m/s}</math></p> <p><math>= 3 \times 10^8 \text{ m/s}</math></p> <p><math>v_{\text{जल}} = \frac{C}{n_{\text{water}}} = \frac{3 \times 10^8 \text{ m/s}}{\frac{4}{3}}</math></p> <p><math>= \frac{9}{4} \times 10^8 \text{ m/s} = 2.25 \times 10^8 \text{ m/s}</math></p>	<p>1/2</p> <p>1/2</p> <p>1</p> <p>1/2</p> <p>1/2</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>	4

<p>38</p>	<p>(i) लैंगिक जनन में नर और मादा युग्मकों का संलयन होता है, जिसमें उनके लक्षण मिश्रित हो जाते हैं जो संतति में लक्षणों में भिन्नता पैदा करता है।</p> <p>(ii)</p> <table border="1" data-bbox="231 324 1157 660"> <thead> <tr> <th>F<sub>1</sub> संतति</th> <th>F<sub>2</sub> संतति</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>यह उन संततियों को संदर्भित करता है जो माता-पिता के बीच संकरण से तुरंत उत्पन्न होते हैं। F<sub>1</sub> संतति में केवल प्रभावी लक्षण प्रदर्शित होते हैं</td> <td>F<sub>1</sub> पीढ़ी के पौधों के बीच संकरण से उत्पन्न संतति संदर्भित करता है। F<sub>2</sub> संतति में प्रभावी और अप्रभावी दोनों लक्षण प्रदर्शित होते हैं (कोई एक)</td> </tr> </tbody> </table> <p>(iii) (A)</p> <p>क्योंकि अगर जीवों की आबादी का एक स्थान बदल दिया जाए, तो पूरी आबादी का सफाया हो सकता है। हालांकि, अगर इस आबादी में विविधताएं मौजूद हैं तो उनके जीवित रहने की कुछ संभावना है।</p> <p>[वैकल्पिक उत्तर]</p> <p>यदि समशीतोष्ण जल में बैक्टीरिया की एक कॉलोनी है और अगर ग्लोबल वार्मिंग से इस पानी का तापमान बढ़ जाता है, तो अधिकांश बैक्टीरिया मर जाएंगे, लेकिन गर्मी के प्रतिरोधी कुछ वैरिएंट जीवित रहेंगे और आगे बढ़ेंगे। इस प्रकार विविधताएं समय के साथ प्रजातियों के अस्तित्व के लिए उपयोगी होती हैं।</p> <p>(अन्य कोई)</p> <p>अथवा</p> <p>(iii) (B)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>* झुर्रीदार, पीले</li> <li>* गोल, हरे</li> <li>* यदि दो या अधिक लक्षण शामिल हैं, तो माता-पिता में मौजूद संयोजन के बावजूद संततियों में उनके जीन स्वतंत्र रूप से वंशानुगत होते हैं</li> </ul>	F <sub>1</sub> संतति	F <sub>2</sub> संतति	यह उन संततियों को संदर्भित करता है जो माता-पिता के बीच संकरण से तुरंत उत्पन्न होते हैं। F <sub>1</sub> संतति में केवल प्रभावी लक्षण प्रदर्शित होते हैं	F <sub>1</sub> पीढ़ी के पौधों के बीच संकरण से उत्पन्न संतति संदर्भित करता है। F <sub>2</sub> संतति में प्रभावी और अप्रभावी दोनों लक्षण प्रदर्शित होते हैं (कोई एक)	<p>1</p> <p>1</p> <p>2</p> <p>1/2</p> <p>1/2</p> <p>1</p>	<p>4</p>
F <sub>1</sub> संतति	F <sub>2</sub> संतति						
यह उन संततियों को संदर्भित करता है जो माता-पिता के बीच संकरण से तुरंत उत्पन्न होते हैं। F <sub>1</sub> संतति में केवल प्रभावी लक्षण प्रदर्शित होते हैं	F <sub>1</sub> पीढ़ी के पौधों के बीच संकरण से उत्पन्न संतति संदर्भित करता है। F <sub>2</sub> संतति में प्रभावी और अप्रभावी दोनों लक्षण प्रदर्शित होते हैं (कोई एक)						
<p>39</p>	<p>(i)</p> $\text{Mg:} + \begin{array}{c} \times \times \\ \times \text{Cl} \times \\ \times \times \\ \times \times \\ \times \text{Cl} \times \\ \times \times \end{array} \longrightarrow (\text{Mg}^{2+}) \left[ \begin{array}{c} \times \times \\ \times \text{Cl} \times \\ \times \times \end{array} \right]_2$ <p>(ii)</p> <p>ये ठोस और कठोर होते हैं।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• ये पानी में घुलनशील होते हैं</li> </ul> <p>वे जलीय विलयन में या गलित अवस्था में विद्युत् का परिचालन करते हैं।</p>	<p>1</p>					

	<p>(कोई अन्य) (कोई दो)</p> <p>(iii) सोडियम परमाणु के सबसे बाहरी कक्ष में एक इलेक्ट्रॉन होता है, इस इलेक्ट्रॉन को खोकर <math>\text{Na}^+</math> आयन बनाकर यह स्थाई विन्यास प्राप्त करता है/  <math>\text{Na} \rightarrow \text{Na}^+ + e^-</math>  2,8,1      2,8      -स्थाई  अथवा</p> <p>(iii) (B)</p> <p>(i) ठोस अवस्था में द्रुढ़ संरचना के कारण आयनों की गति संभव नहीं है/  (ii) कैथोड पर <math>\text{H}_2</math> गैस मुक्त होती है ।</p>	$\frac{1}{2}, \frac{1}{2}$  1  1   1  1	          4
--	---	--	---

\*\*\*\*\*



**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**  
**Secondary School Examination, 2023**  
**Marking Scheme – Science (SUBJECT CODE -086) HINDI**  
**(PAPER CODE –31/4/3)**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2. **“Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its’ leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under various rules of the Board and IPC.”**
3. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one’s own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In class-X, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.**
4. The Marking scheme carries only suggested value points for the answers. These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.
5. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after deliberation and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
6. Evaluators will mark( ✓ ) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS ‘X’ be marked. Evaluators will not put right (✓)while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
7. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
8. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
9. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note **“Extra Question”**.
10. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

11. A full scale of marks **80** (example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
12. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines). This is in view of the reduced syllabus and number of questions in question paper.
13. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-
  - Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
  - Giving more marks for an answer than assigned to it.
  - Wrong totaling of marks awarded on a reply.
  - Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
  - Wrong question wise totaling on the title page.
  - Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
  - Wrong grand total.
  - Marks in words and figures not tallying / not same.
  - Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
  - Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
  - Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
14. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.
15. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
16. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the “**Guidelines for spot Evaluation**” before starting the actual evaluation. Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.
17. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.
18. The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

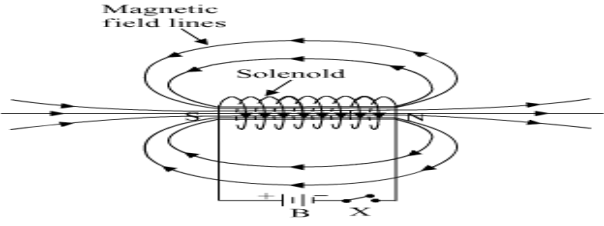
अंकन योजना  
माध्यमिक विद्यालय परीक्षा, 2023  
विज्ञान (विषय कोड-086)  
[पेपर कोड: 31/4/3]

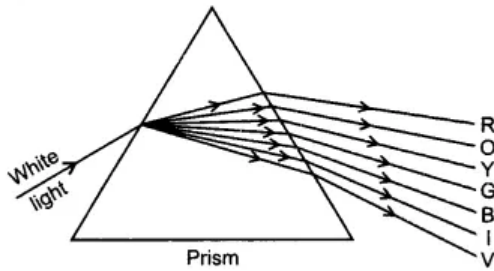
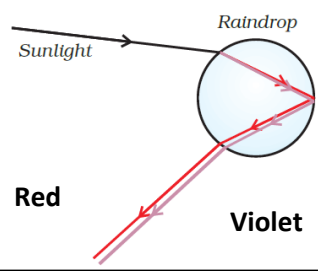
अधिकतम अंक : 80

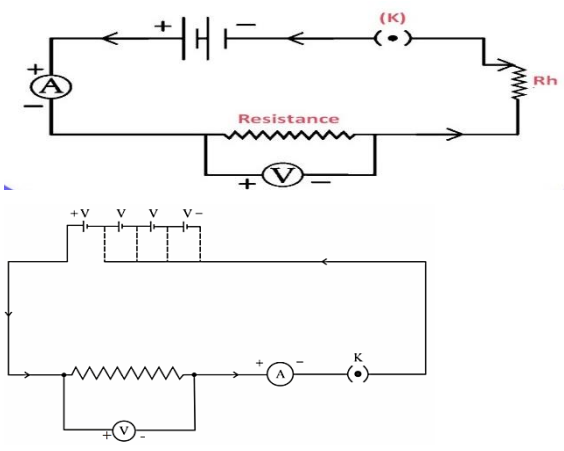
प्रश्न सं.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक	अंक	कुल अंक
	<b>खण्ड - क</b>		
1.	(b)	1	1
2.	(c)	1	1
3.	(d)	1	1
4.	(b)	1	1
5.	(c)	1	1
6.	(c)	1	1
7.	(b)	1	1
8.	(b)	1	1
9.	(b)	1	1
10.	(d)	1	1
11.	(a)	1	1
12.	(a)	1	1
13.	(c)	1	1
14.	(b)	1	1
15.	(d)	1	1
16.	(b)	1	1
17.	(d)	1	1
18.	(a)	1	1
19.	(b)	1	1
20.	(c)	1	1
	<b>खण्ड - ख</b>		
21	<ul style="list-style-type: none"> <li>● ऑक्सीजन</li> <li>● प्रकाश की उपस्थिति में ऑक्सीजन विसरित होकर प्ररोह के छाया वाले भाग में आ जाता है और प्रकाश से दूर वाली भाग में ऑक्सीजन का सांद्रण कोशिकावो को लम्बाई में वृद्धि के लिए उद्दीपित करता है जिससे पादप प्रकाश की ओर मुड़ता प्रतीत होता है I</li> </ul>	1  1	2
22	(A) (i) ● कॉपर II क्लोराइड /कॉपर क्लोराइड /क्युप्रिक क्लोराइड /CuCl <sub>2</sub> <ul style="list-style-type: none"> <li>● रंग : नीला -हरा</li> </ul>	½  ½	

	(ii) $\text{CuO} + 2\text{HCl} \rightarrow \text{CuCl}_2 + \text{H}_2\text{O}$ अथवा (B) X : सोडियम क्लोराइड/ NaCl Y : हाइड्रोजन / $\text{H}_2$ Z : क्लोरीन / $\text{Cl}_2$ B : विरंजक चूर्ण / $\text{CaOCl}_2$	1  $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	2
23	● अंधेरे में रखा पौधा प्रकाश संश्लेषण नहीं कर पता है और ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में वह श्वसन नहीं कर सकता है। ● प्रकाश में रखा पौधा प्रकाश संश्लेषण कर $\text{CO}_2$ को ऑक्सीजन में परिवर्तित करता है जिसे वह श्वसन में उपयोग कर लेता है।	1  1	2
24	लसिका कार्य : (i) पचा हुआ तथा क्षुद्रांत द्वारा अवशोषित वसा का वहन (ii) अतिरिक्त तरल को बाह्य कोशिकीय अवकाश से वापस रुधिर में ले जाना	1  $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	2
25	बगीचों में पौधों और जन्तु जैसे जैव घटक होते हैं जो परस्पर पारितंत्र के अजैव घटकों जैसे पानी, हवा और मिट्टी के साथ अन्योन्यक्रिया करते हैं।	2	2
26	(A) (i) निकट - दृष्टि दोष (ii) ● अभिनेत्र लेंस की वक्रता का अत्यधिक होना ● नेत्र गोलक का लम्बा हो जाना (iii) अवतल लेंस / अपसारी लेंस अथवा (B) ● वायुमंडल में कणों का साइज दृश्य प्रकाश की तरंगदैर्घ्य की तुलना में छोटा होता है इसलिए वे कम तरंगदैर्घ्य वाले प्रकाश का प्रकीर्णन करते हैं। i.e. नीला रंग ● अंतरिक्ष में, कणों की अनुपस्थिति के कारण प्रकाश का प्रकीर्णन नहीं होता है। (वायुमंडल की अनुपस्थिति)	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$  1  1	2
<b>खण्ड - ग</b>			
27	(a) ● 7 ● प्रबल अम्ल और प्रबल क्षार का लवण (b) ● गुलाबी / नारंगी ● कमजोर क्षार और प्रबल अम्ल का लवण (c) ● कोई परिवर्तन नहीं / नीला	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1	3
28	(i) ● जल की चालकता बढ़ाने के लिए ● हाइड्रोजन - कैथोड - ऑक्सीजन - एनोड	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}, \frac{1}{2}$	

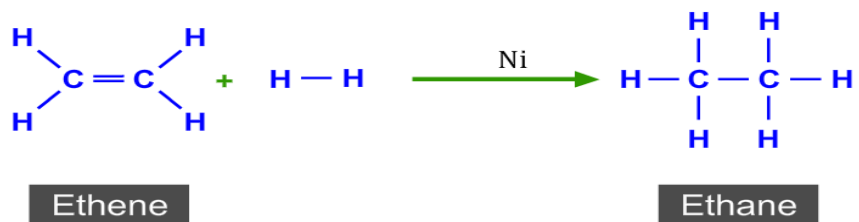
	<p>●एनोड : कैथोड 1 : 2 / कैथोड पर मुक्त हाइड्रोजन का आयतन एनोड पर मुक्त ऑक्सीजन से दोगुना होता है।</p> <p>(ii) ●सफेद सिल्वर क्लोराइड धूसर हो जाता है।</p> <p>●वियोजन (अपघटन) अभिक्रिया / प्रकाशीय वियोजन (अपघटन)</p>	1/2	
		1/2	3
29	<p>दिया है , बिम्ब की दूरी , u = -20 cm आवर्धन <math>m = \frac{1}{2}</math> <math>\therefore m = \frac{-v}{u} \Rightarrow v = -m \times u = -\frac{1}{2} \times -20 = 10 \text{ cm}</math> दर्पण सूत्र <math>\frac{1}{f} = \frac{1}{v} + \frac{1}{u}</math> <math>\frac{1}{f} = \frac{1}{v} + \frac{1}{u} = \frac{1}{10} - \frac{1}{20} = \frac{1}{20}</math> f = 20 cm यदि <math>m = \frac{1}{3}</math> और v' और u' क्रमशः प्रतिबिम्ब दूरी और बिम्ब दूरी है <math>\frac{1}{3} = \frac{-v'}{u} \Rightarrow v' = \frac{-u'}{3}</math> <math>\frac{1}{f} = \frac{1}{v'} + \frac{1}{u'}</math> <math>\frac{1}{20} = \frac{-3}{u'} + \frac{1}{u'} \Rightarrow \frac{1}{20} = \frac{-2}{u'}</math> u' = -40 cm.</p>	1/2 , 1/2	
		1/2	
		1/2	
		1/2	3
30	<p>(A)(i) i पशु की गति की सहायता से भोजन एक विशिष्ट स्थान से ग्रहण किया जाता है</p> <p>(ii) (a) एक अम्लीय माध्यम तैयार करता है जो एंजाइम की क्रिया में सहायक है/ अन्तर्ग्रहित भोजन के साथ सूक्ष्म जीवों को समाप्त करना। जीवों को निष्क्रिय करना (b) प्रोटीनों का पाचन (c) पाचक रसों के साथ भोजन को अच्छी तरह मिलाना कुर्माकुंचित गति द्वारा भोजन को आगे की ओर भेजना (d) स्टार्च को शर्करा में परिवर्तित करना</p>	1	
		1/2	
		1/2	
		1/2	
		1/2	

	अथवा						
	<p>(B)</p> <p>(i) प्रत्येक चक्र में रुधिर दो बार हृदय में जाता है।</p> <p>(ii)• शरीर को उच्च दक्षतापूर्ण ऑक्सीजन की पूर्ति के लिये रोकना</p> <p>• इस तरह का बँटवारा शरीर को उच्च दक्षतापूर्ण ऑक्सीजन की पूर्ति करता है जो पक्षियों और स्तनपायियों की मदद करता है जिन्हें अपने शरीर का तापक्रम बनाए रखने के लिए निरंतर ऊर्जा की आवश्यकता होती है</p>	1 1 1	3				
31	<p>(A) (i) प्रत्यावर्ती धारा को विद्युत शक्ति को सुदूर स्थानों पर बिना अधिक विद्युत ऊर्जा क्षय के प्रेषित किया जा सकता है।</p> <p>(ii) घरेलू आपूर्ति - प्रत्यावर्ती धारा (AC)</p> <p>शुष्क सेल की बैटरी - दिष्ट धारा (DC)</p> <p>(iii) जब विद्युत परिपथ में फ्यूज के अनुमतांक (रेटिंग) से अधिक विद्युत धारा प्रवाहित होती है तो यह पिघल कर विद्युत परिपथ को तोड़ देता है।</p> <p>अथवा</p> <p>(B) एक परिनालिका पर चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं</p> <div style="text-align: center;">  </div> <p>यदि धारा या चुंबकीय क्षेत्र की दिशा चिह्नित नहीं है तो आधा अंक काट दें</p> <p>बिंदु A पर अधिकतम</p> <p>चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं बहुत पास और घनित हैं/ परिनालिका में 'n' फेरो की संख्या के कारण चुंबकीय क्षेत्र में वृद्धि हो जाती है</p> <p>बिंदु B पर न्यूनतम</p> <p>चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं एक दुसरे से काफी दूर हैं</p>	1  ½ ½  1   ½ ½ ½ ½	3				
32	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>जैव निम्नीकरणीय</td> <td>अजैव निम्नीकरणीय</td> </tr> <tr> <td>जैव निम्नीकरणीय वर्ज्य जैविक प्रक्रम द्वारा अपघटित हो जाते हैं।</td> <td>अजैव निम्नीकरणीय जैविक वर्ज्य प्रक्रम में अपघटित नहीं होते हैं।</td> </tr> </table> <p>• संचित जैव निम्नीकरणीय अपशिष्टों का प्रभाव:</p> <p>बदबू</p>	जैव निम्नीकरणीय	अजैव निम्नीकरणीय	जैव निम्नीकरणीय वर्ज्य जैविक प्रक्रम द्वारा अपघटित हो जाते हैं।	अजैव निम्नीकरणीय जैविक वर्ज्य प्रक्रम में अपघटित नहीं होते हैं।	1  ½	
जैव निम्नीकरणीय	अजैव निम्नीकरणीय						
जैव निम्नीकरणीय वर्ज्य जैविक प्रक्रम द्वारा अपघटित हो जाते हैं।	अजैव निम्नीकरणीय जैविक वर्ज्य प्रक्रम में अपघटित नहीं होते हैं।						

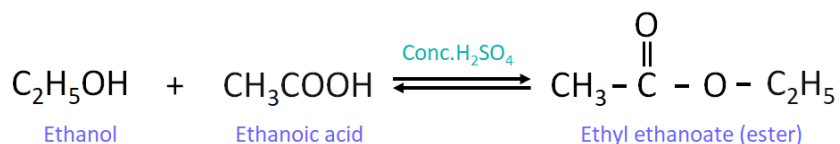
	<p>रोगवाहकों के लिए प्रजनन स्थान (या कोई अन्य)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• संचित अजैव निम्नीकरणीय अपशिष्टों का प्रभाव : जैव- आवर्धन मृदा की उर्वरता को प्रभावित करता है। ( या कोई अन्य)</li> </ul>	<p>1/2</p> <p>1/2</p> <p>1/2</p>	<p>3</p>
33	<p>(A)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• एक कांच के प्रिज्म से गुजरते समय श्वेत प्रकाश का उसके अवयवी वर्णों /सात अलग-अलग रंगों में विभाजन को श्वेत प्रकाश का विक्षेपण कहते है।</li> <li>• (i) बैंगनी सबसे अधिक मुड़ता है</li> <li>• (ii) लाल सबसे कम मुड़ता है</li> </ul>  <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>(B)• इंद्रधनुष वर्षा के पश्चात् आकाश में दिखाई देने वाला प्राकृतिक स्पेक्ट्रम / वर्णक्रम है।</p> 	<p>1</p> <p>1/2</p> <p>1/2</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>2</p>	<p>3</p>
	<b>खण्ड - घ</b>		
34	<p>(i) हाइड्रा में प्रेक्षित अलैंगिक जनन के दो विधिः</p> <p>(a) <b>मुकुलन</b> : एक विशिष्ट स्थान पर कोशिकाओ के नियमित विभाजन के कारण एक उभार विकसित होता है। यह उभार वृद्धि करता हुआ नन्हे जीव में बदल जाता है तथा पूर्ण विकसित होने पर, जनक से अलग होकर स्वतंत्र जीव बन जाता हैं।</p> <p>(b) <b>पुनर्जनन</b>: हाइड्रा को कई टुकड़ों में काटने देने पर प्रत्येक टुकड़ा एक पूर्ण जीव में विकसित हो जाता है।</p> <p>(ii)•परिभाषा: जब पौधों के कायिक भाग जैसे जड़, तना या पत्ती का उपयोग नए</p>	<p>1/2,1</p> <p>1/2,1</p> <p>1</p>	

	<p>पौधों को उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• (a) इस प्रकार उगाये गए पौधों में बीज द्वारा उगाए पौधों की अपेक्षा पुष्प एवं फल कम समय में लगने हैं।</li> <li>(b) केला, नारंगी, गुलाब और चमेली जैसे पौधों को उगाने के लिए उपयोगी है जो बीज उत्पन्न करने की क्षमता खो चुके हैं।</li> <li>(c) उत्पादित पौधे आनुवंशिक रूप से सभी विशेषताओं के लिए जनक पौधे के समान हैं।</li> </ul> <p style="text-align: right;"><b>(कोई दो)</b></p>	1/2, 1/2	5
35	<p>(i) वथथर तापमान पर एक चालक से प्रिावहत िारा , विििितर के समानपुवतक होती है। <math>V \propto I / I \propto V</math> .</p> <div style="text-align: center;">  </div> <p>(ii) चूँकि एमीटर श्रेणीक्रम में जोड़ा जाता है यह परिपथ के प्रतिरोध को नहीं बढ़ाएगा/ परिपथ से अधिकतम धारा को प्रवाहित करेगा</p> <p>(iii) • ग्राफ A श्रेणीक्रम संयोजन के लिए  • कम ढलान और अधिक प्रतिरोध  • ग्राफ B पार्श्वक्रम संयोजन के लिए  • अधिक ढलान और कम प्रतिरोध</p>	1  1  1/2 1/2 1/2 1/2	5
36	<p>(A)</p> <p>(i) <math>CH_4 + 2O_2 \rightarrow CO_2 + 2H_2O</math></p> <p>(ii)</p> $CH_3 - CH_2OH \xrightarrow[\text{Or acidified } K_2Cr_2O_7 + \text{Heat}]{\text{Alkaline } KMnO_4 + \text{Heat}} CH_3COOH$ <p style="text-align: center;">इथेनॉल <span style="margin-left: 150px;"></span> इथेनोइक एसिड</p> <p>(iii)</p>	1  1	

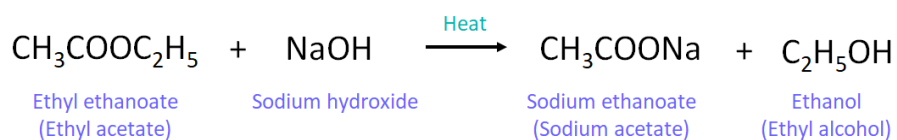




(iv)

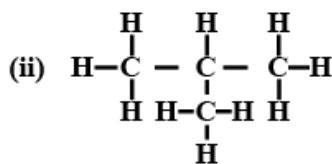
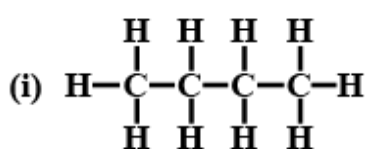


(v)

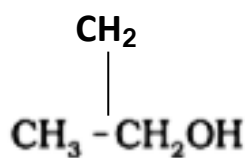
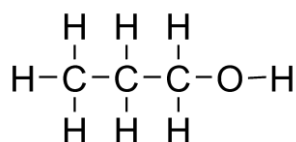


अथवा

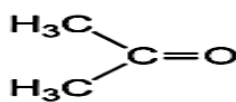
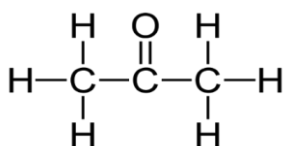
(B) (i)




1/2, 1/2



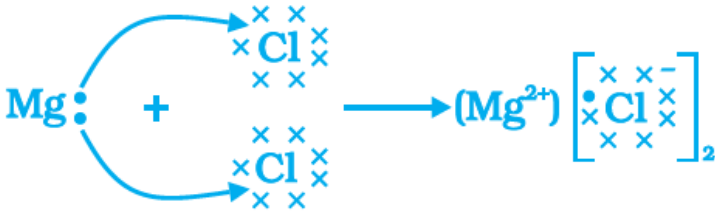
1/2



1/2

	<p>(iii)</p> <p>(a) प्रोपैनाल (b) प्रोपैनेल</p> <p>(iv)</p> <p>(a) बेन्जीन (b) ब्यूटीन</p> <p>(v)</p> 	<p>1/2 1/2</p> <p>1/2 1/2</p> <p>1</p>	<p>5</p>				
<b>खण्ड - ड</b>							
37	<p>(i) लैंगिक जनन में नर और मादा युग्मकों का संलयन होता है, जिसमें उनके लक्षण मिश्रित हो जाते हैं जो संतति में लक्षणों में भिन्नता पैदा करता है।</p> <p>(ii)</p> <table border="1" data-bbox="268 1211 1201 1534"> <thead> <tr> <th data-bbox="268 1211 759 1272">F<sub>1</sub> संतति</th> <th data-bbox="759 1211 1201 1272">F<sub>2</sub> संतति</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td data-bbox="268 1272 759 1534">यह उन संततियों को संदर्भित करता है जो माता-पिता के बीच संकरण से तुरंत उत्पन्न होते हैं। F<sub>1</sub> संतति में केवल प्रभावी लक्षण प्रदर्शित होते हैं।</td> <td data-bbox="759 1272 1201 1534">F<sub>1</sub> पीढ़ी के पौधों के बीच संकरण से उत्पन्न संतति संदर्भित करता है। F<sub>2</sub> संतति में प्रभावी और अप्रभावी दोनों लक्षण प्रदर्शित होते हैं (कोई एक)।</td> </tr> </tbody> </table> <p>(iii) (A)</p> <p>क्योंकि अगर जीवों की आबादी का एक स्थान बदल दिया जाए, तो पूरी आबादी का सफाया हो सकता है। हालांकि, अगर इस आबादी में विविधताएं मौजूद हैं तो उनके जीवित रहने की कुछ संभावना है।</p> <p><b>[वैकल्पिक उत्तर]</b></p> <p>यदि समशीतोष्ण जल में बैक्टीरिया की एक कॉलोनी है और अगर ग्लोबल वार्मिंग से इस पानी का तापमान बढ़ जाता है, तो अधिकांश बैक्टीरिया मर जाएंगे, लेकिन गर्मी के प्रतिरोधी कुछ वेरिएंट जीवित रहेंगे और आगे बढ़ेंगे। इस प्रकार विविधताएं समय के साथ प्रजातियों के अस्तित्व के लिए उपयोगी होती हैं।</p> <p><b>(अन्य कोई)</b></p>	F <sub>1</sub> संतति	F <sub>2</sub> संतति	यह उन संततियों को संदर्भित करता है जो माता-पिता के बीच संकरण से तुरंत उत्पन्न होते हैं। F <sub>1</sub> संतति में केवल प्रभावी लक्षण प्रदर्शित होते हैं।	F <sub>1</sub> पीढ़ी के पौधों के बीच संकरण से उत्पन्न संतति संदर्भित करता है। F <sub>2</sub> संतति में प्रभावी और अप्रभावी दोनों लक्षण प्रदर्शित होते हैं (कोई एक)।	<p>1</p> <p>1</p> <p>2</p>	
F <sub>1</sub> संतति	F <sub>2</sub> संतति						
यह उन संततियों को संदर्भित करता है जो माता-पिता के बीच संकरण से तुरंत उत्पन्न होते हैं। F <sub>1</sub> संतति में केवल प्रभावी लक्षण प्रदर्शित होते हैं।	F <sub>1</sub> पीढ़ी के पौधों के बीच संकरण से उत्पन्न संतति संदर्भित करता है। F <sub>2</sub> संतति में प्रभावी और अप्रभावी दोनों लक्षण प्रदर्शित होते हैं (कोई एक)।						

	<b>अथवा</b>		
	(iii) (B) * झुर्रीदार, पीले * गोल, हरे * यदि दो या अधिक लक्षण शामिल हैं, तो माता-पिता में मौजूदसंयोजन के बावजूद संततियों में उनके जीन स्वतंत्र रूप से वंशानुगत होते हैं	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1	4
38	(i) हीरे का अपवर्तनांक = $\frac{\text{Velocity of light in vacuum}}{\text{Velocity of light in diamond}}$ हीरे में प्रकाश का वेग = $\frac{3 \times 10^8 \text{ m/s}}{2.42} = 1.23 \times 10^8 \text{ m/s}$ (ii) कार्बन डाइसल्फाइड में $\angle r <$ कांच में $\angle r <$ जल में $\angle r$ (iii) (a) कांच पानी से सघन है क्योंकि पानी में प्रकाश की गति कांच में प्रकाश की गति से अधिक है/ जल की अपवर्तनांक की अपेक्षा कांच का अपवर्तनांक अधिक होता है (b) प्रकाश पानी से काँच में बिना झुके प्रवेश करेगा (अविचलित / सीधा) क्योंकि इस प्रकरण में $\angle i = 0 ; \angle r = 0$	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1 $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1	
	<b>अथवा</b>		
	(iii) (B) $n_{\text{कांच}} = \frac{3}{2}$ $n_{\text{जल}} = \frac{4}{3}$ $v_{\text{कांच}} = 2 \times 10^8 \text{ m/s}$ $n_{\text{कांच}} = \frac{\text{speed of light in vacuum (c)}}{\text{speed of light glass (v}_g)}$ $C = n_{\text{कांच}} \times v_{\text{कांच}}$ $= \frac{3}{2} \times 2 \times 10^8 \text{ m/s}$ $= 3 \times 10^8 \text{ m/s}$ $v_{\text{जल}} = \frac{C}{n_{\text{water}}} = \frac{3 \times 10^8 \text{ m/s}}{\frac{4}{3}}$ $= \frac{9}{4} \times 10^8 \text{ m/s} = 2.25 \times 10^8 \text{ m/s}$	1 1	4

39	<p>(i)</p>  <p>ये ठोस और कठोर होते हैं।      •ये पानी में घुलनशील होते हैं      वे जलीय विलयन में या गलित अवस्था में विद्युत् का परिचालन करते हैं।  <b>(कोई अन्य) (कोई दो)</b>      (iii) सोडियम परमाणु के सबसे बाहरी कक्ष में एक इलेक्ट्रॉन होता है, इस इलेक्ट्रॉन को खोकर <math>\text{Na}^+</math> आयन बनाकर यह स्थाई विन्यास प्राप्त करता है/  <math>\text{Na} \rightarrow \text{Na}^+ + e^-</math>      2,8,1          2,8 –स्थाई      अथवा</p> <p>(iii) (B)      (i) ठोस अवस्था में द्रुढ संरचना के कारण आयनों की गति संभव नहीं है/      (ii) कैथोड पर <math>\text{H}_2</math> गैस मुक्त होती है ।</p>	1  $\frac{1}{2}, \frac{1}{2}$ 1 1 1 1 1	4
----	---	--	---

\*\*\*\*\*